www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 210 ●ठाणे, शनिवार 25 अप्रैल, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक **हिंदमाता मिरर**

पैनी नजर, पुख्ता खबर

प्रियंका को ग्लोबल वैनगार्ड ऑनर

पेज 8

पंजाब किंग्स का विजयरथ रोक पाएगी दिल्ली कैपिटल्स?

8 पेज

सुप्रभात

अपने ऊपर असीम विश्वास स्थापित करना और अकेले बैठकर अंतरात्मा की ध्वनि सुनना वीर पुरुषों का ही काम है। - **एमरसन**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (25 अप्रैल) 6:59 बजे, सूर्योदय (26 अप्रैल) 6:14 बजे, **तापमान: 35 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

देश में बढ़ रहे सुपर-रिच: अब 19877, साल 2031 तक 25 हजार से ज्यादा होने का अनुमान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत में अल्ट्रा-अमीर लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2026 में देश में ऐसे 19,877 लोग हैं, जिनकी संपत्ति 30 मिलियन डॉलर (लगभग 283 करोड़ रुपए) से अधिक है। नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2026 के अनुसार, यह संख्या 2031 तक 27% बढ़कर 25,217 हो सकती है।

पांच साल में 63.4% का इजाफा

सिर्फ 5 साल में भारत में अल्ट्रा-अमीर लोगों की संख्या में 63.4% का इजाफा हुआ है, जिससे यह दुनिया भर में छठे स्थान पर आ गया है और दुनिया के बहुत अमीर लोगों में इसका हिस्सा 2.8% हो गया है।

तेजी की वजह क्या है?

रिपोर्ट के अनुसार, कई बड़े आर्थिक बदलाव एक साथ मिलकर इस वृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं।

एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम खराब शुरुआत से मैच्योर होकर एक पूरी तरह से वेल्थ इंजन बन गया है। यूनिकॉर्न, आईपीओ और ग्लोबल लेवल की कंपनियां पहली पीढ़ी के अमीर लोगों का एक नया ग्रुप बना रही हैं।

कैपिटल मार्केट

भारत के इक्विटी मार्केट काफी बड़े हो गए हैं, जिसमें रिटेल पार्टिसिपेशन बढ़ रहा है और परफॉर्मेंस भी मजबूत है।

डिजिटलाइजेशन एक मल्टीप्लायर के तौर पर

फिनटेक से लेकर ई-कॉमर्स तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म ने बिजनेस मॉडल को बहुत तेजी से बढ़ाया है।

फैमिली बिजनेस का विकास

भारत के पारंपरिक बिजनेस हाउस भी बदल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई पारंपरिक बिजनेस हाउस ज्यादा प्रोफेशनली मैनेज हो रहे हैं, ग्लोबली कॉम्पिटिटिव और स्ट्रेटेजिक रूप से डायवर्सिफाइड हो रहे हैं। लेगेसी कैपिटल और मॉडर्न मैनेजमेंट का यह मिक्स वेल्थ जेनरेटर का एक पावरफुल तरीका साबित हो रहा है।

शॉर्ट स्टोरी

देश में जल्दी दस्तक देगा मानसून:आईएमडी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश के ज्यादातर हिस्सों में अप्रैल के महीने से ही तेज गर्मी हो रही है। इस वजह से लोग काफी परेशान है। उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के कई इलाकों में तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने भी आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की चेतावनी दी है। हालांकि इस कड़ी गर्मी के बीच एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। मौसम से जुड़े नए अनुमान बता रहे हैं कि इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य समय से पहले आ सकता है। इससे मई के आखिर तक दक्षिण भारत के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो सकती है। अगर बारिश जल्दी होती है तो खेती समय पर होगी।

संजय गायकवाड से शिवसेना ने झाड़ा पल्ला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में अपने विवादित बयानों के लिए मशहूर शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड की मुश्किलें अब बढ़ने वाली हैं। कॉमरेड गोविंद पानसरे की प्रसिद्ध पुस्तक 'शिवाजी कोण होता?' के शीर्षक को लेकर प्रकाशक प्रशांत आंबी को कथित तौर पर फोन पर अपशब्द कहने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में शिवसेना (शिंदे गुट) ने अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता प्रकाश महाजन ने स्पष्ट कर दिया है कि शिवसेना गायकवाड के इन विचारों और उनकी भाषा का रत्ती भर भी समर्थन नहीं करती है। कार्रवाई का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही लेंगे।

कल्याण-कसारा के बीच विशेष ब्लॉक

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मध्य रेल के कल्याण कसारा के बीच चल रहे तीसरे ट्रैक के निर्माण से जुड़े खरडी यार्ड की रिमोल्डिंग के लिए उंबरमाली और आटगांव स्टेशनों के बीच नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य हेतु विशेष ब्लॉक का निर्णय लिया गया है। इसके लिए मध्य रेल, मुंबई मंडल पर 25 अप्रैल (शनिवार) और 26 अप्रैल (रविवार) को उंबरमाली और आटगांव स्टेशनों के बीच नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य हेतु विशेष ब्लॉक (डी-डे) होगा। यह ब्लॉक 25 अप्रैल को 12 से 26 अप्रैल को 3 बजे के बीच होगा। ब्लॉक अवधि के दौरान आसनगांव और कसारा स्टेशनों के बीच उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। कसारा जाने वाली सेवाएं शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजनेट की जाएगी।

महाराष्ट्र में रहने वालों को मराठी सीखनी चाहिए

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राऊत ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों को मराठी सीखनी चाहिए और साथ ही हर किसी को कानून का पालन करना चाहिए तथा उस राज्य का सम्मान करना चाहिए जो उन्हें आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि असहमति व्यक्त करना संवैधानिक अधिकार है, लेकिन यह कानून के दायरे में और अनुशासन के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा, जो लोग यहां रहते और काम करते हैं, उन्हें महाराष्ट्र का सम्मान करना चाहिए। उन्हें यहां रोजगार और सुविधाएं मिल रही हैं, इसलिए उन्हें मराठी भी सीखनी चाहिए।

आप के सात सांसद अब भाजपा के साथ

आप भी साफ!

● शिवसेना, एनसीपी के बाद आम आदमी पार्टी भी तोड़ी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आम आदमी पार्टी को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है। राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने पार्टी को अलविदा कर भाजपा का हाथ थाम लिया है। इस बीच राघव चड्ढा भाजपा कार्यालय पहुंचे उनके साथ अशोक मित्तल और संदीप पाठक भी मौजूद रहे। बता दें कि नीतिन नबीन ने राघव चड्ढा को अपने हाथ से लड्डू खिलाया और तीनों नेताओं का भाजपा में स्वागत किया। राघव के अलावा दीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, विक्रजीत सिंह साहनी, राजिंदर गुप्ता के अलावा दिल्ली से आप की राज्यसभा सांसद स्वाती मालिवाल भी भाजपा में शामिल हो गईं।

भाजपा में कर लेंगे विलय

राघव चड्ढा ने राज्य सभा सांसद संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हमने फैसला किया है कि हम, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सदस्य, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। इसके अलावा उन्होंने यह भी जानकारी दी कि स्वाति मालीवाल और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह भी भाजपा में शामिल होंगी।

चड्ढा के खेल से राज्यसभा में कितना बदला नंबर गेम

अहम बात यह भी है कि राघव चड्ढा और उनके साथियों द्वारा आप में की गई इस बगावत का सीधा असर राज्यसभा के नंबर गेम पर भी पड़ने वाला है। राघव का कहना है कि वे सभी बीजेपी में विलय कर रहे हैं। इसके चलते बीजेपी और एनडीए राज्यसभा में और ज्यादा मजबूत होगा है और ये आंकड़ा 141 तक चला जाएगा।

गलत पार्टी में सही आदमी

राघव चड्ढा ने कहा कि उन्होंने अपने खून-पसीने से पार्टी को सींचा और अपनी जवानी के 15 साल दिए। उनके अनुसार, पार्टी अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिकता से पूरी तरह भटक गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अब देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है। बल्कि, यह व्यक्तिगत लाभ के लिए कार्य कर रही है। चड्ढा ने महसूस किया कि वह गलत पार्टी में सही आदमी हैं।

गृह प्रवेश करते ही पार्टी की लंका लग गई!

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब नई दिल्ली के 95, लोधी एस्टेट में अलॉट किए गए नए सरकारी आवास में आधिकारिक तौर पर शिफ़्ट हो गए हैं। यह बदलाव पार्टी के अंदर एक बड़े राजनीतिक फेरबदल से ठीक पहले हुआ है, जिससे सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाओं और मजाक का दौर शुरू हो गया है।

पंजाब चुनाव से पहले खेल

राघव चड्ढा ने ऐलान किया है कि वे और उनके सभी साथी यानी 7 राज्यसभा सांसद बीजेपी में जाएंगे। संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने इस दौरान पीएम मोदी ने के 12 साल के कार्यकाल की तारीफ की और आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। राज्यसभा और पंजाब की सियासत के लिहाज से इस घटनाक्रम से आप को बड़ा झटका लगा है क्योंकि अगले साल फरवरी मार्च में पंजाब के विधानसभा चुनाव होने हैं।

बीजेपी पर फूटा आप का गुस्सा

राघव चड्ढा सहित आम आदमी पार्टी के सात सासंदों के बीजेपी में शामिल होने पर पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। अरविंद केजरीवाल ने पर पोस्ट कर कहा, बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का।

बीजेपी का ऑपरेशन लोटस करार दिया

वहीं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इसे बीजेपी का ऑपरेशन लोटस करार दिया और दावा किया कि बीजेपी पंजाब सरकार के कामकाज को रोकना चाहती है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी आप में हुई इस फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार बताया।

नमक की तरह गलती जिंदगी: चुटकी भर नमक हमारे भोजन में चटखारा भर देता है, लेकिन इस नमक को बनाने की प्रक्रिया में कुछ लोग अपने जीवन यानी अपने देह का नमक गलाने पर विवश होते हैं। इन दिनों जहां आसमान से आग बरस रही है, पारा चालीस डिग्री के पार उछाल मार रहा है, वहीं वसई के मिठागर (नमक के खेत) में काम करनेवाले मजदूर नाम मात्र के वेतन के लिए सुबह से शाम तक इन नमक के खेतों में पसीना बहाते रहते हैं। ऐसे में मन में कुछ पंक्तियां कौंधने लगती हैं... नमक तो नमक ही है... नमक सागर में भी है... और इंसानी देह में भी... और नमक बनाने में नमक की तरह गल जाता है आदमी। (फोटो- सचिन हलदे)

महाराष्ट्र सरकार और बिसाग-एन के बीच ऐतिहासिक एमओयू

अब सैटेलाइट से होगी योजनाओं की निगरानी!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में शासन और बुनियादी ढांचे के विकास को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में राज्य सरकार की नीतिगत संस्था मित्रा और बिसाग-एन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य राज्य में जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देना है। इस तकनीक के जरिए महाराष्ट्र सरकार अब अपनी नीतियों और मानक प्रक्रियाओं को अधिक वैज्ञानिक और डेटा-आधारित बनाने में सक्षम होगी।

विकास को मिलेगी नई दिशा

इस सहयोग के माध्यम से राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास, सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन और पर्यावरण प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है। जियोस्पेशियल डेटा के उपयोग से सड़कों, पुलों और सिंचाई परियोजनाओं की योजना बनाना और उन्हें समय पर पूरा करना आसान हो जाएगा।

सटीक मॉनिटरिंग और सोशल इम्पैक्ट

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि यह तकनीक सरकारी कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन को बेहतर बनाएगी। अब सरकार न केवल योजनाओं के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन कर सकेगी, बल्कि उनके वास्तविक परिणामों और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को भी सटीक रूप से माप सकेगी। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। सह्याद्री गेस्ट हाउस में यह महत्वपूर्ण बैठक हुई।

रैली के दौरान यातायात जाम को लेकर हुई थी बहस

मंत्री से भिड़ने वाली महिला के खिलाफ शिकायत दायर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर मुंबई में भाजपा की रैली के कारण यातायात जाम होने पर महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन से बहस करने वाली महिला के खिलाफ शिकायत दायर की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बुधवार को वरली थाने में अधिवक्ता गुणरत्न सदावर्ते की बेटी जेन सदावर्ते ने संबंधित महिला के खिलाफ शिकायत की। घटना मंगलवार को वरली के पॉश इलाके में भाजपा द्वारा आयोजित एक रैली के दौरान हुई। यह रैली लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण शीघ्र लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए आयोजित की गई थी। रैली के दौरान जब महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, तभी एक नाराज महिला ने उनसे बहस करते हुए सड़क जाम करने और यात्रियों को हो रही असुविधा को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। महिला ने कहा, यहां से चले जाइए, आप यातायात जाम कर रहे हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री नहीं है महिला

ज्ञात हो कि उक्त महिला को बीजेपी के आईटी सेल ने पहले बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा मिश्रा बताया था और उसकी मानसिक स्थिति ठीक न होने का दावा किया था। उत्तर प्रदेश भाजपा के सोशल मीडिया प्रमुख शशि शेखर और मुंबई आईटी सेल की पल्लवी ने महिला को पूजा मिश्रा बताकर ट्रोल करना शुरू किया था।

ठाणे में 73 करोड़ का घोटाला!

27 सरकारी योजनाएं डकार गए जालसाज

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे के महिला व बालविकास विभाग में 27 योजनाओं के नाम पर करीब 73 करोड़ रुपए के कथित घोटाले का मामला सामने आया है। आरोप है कि इन योजनाओं में से अधिकतर या तो अधूरी रहीं या केवल कागजों पर ही संचालित दिखाई गईं। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। ठाणे जिले के कल्याण तालुका स्थित जांभूल गांव में कृषि तकनीकी केंद्र और कृषि पर्यटन केंद्र जैसी योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च दिखाए जाने का दावा किया गया, जबकि मौके पर इन परियोजनाओं का वास्तविक स्वरूप बेहद कमजोर और अधूरा पाया गया। इसी तरह ठाणे जिले की भिवंडी तहसील के चिंबीपाड़ा में काथ्या उद्योग और शहापुर तहसील के दोयार्चा पाड़ा में दाल मिल परियोजना का भी यही हाल सामने आया। दाल मिल परियोजना तो कथित तौर पर गायब पाई गई, जिससे स्थानीय स्तर पर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं।

ठाणे के बाहर कागजों में चल रही थी योजनाएं

एसआईटी जांच में यह भी सामने आया है कि कई योजनाएं ठाणे जिले की सीमा से बाहर रायगढ़ और मुंबई जिलों में दर्शाकर क्रियान्वित दिखाई गईं। शिलाई मशीन वितरण योजना में निजी संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों के फोटो फाइलों में लगाए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

एसआईटी जांच में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा

एसआईटी जांच में निविदा प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। कई मामलों में निविदा और कार्यादेश की तिथियों में असंगति पाई गई है, जबकि कुछ मामलों में बिल पहले और निविदा बाद में जारी किए जाने के उदाहरण भी सामने आए हैं।

27 योजनाओं का ठेका केवल 3 संस्थाओं को ही दिया

सबसे गंभीर आरोप यह है कि वर्ष 2019 से 2025 के बीच निकाली गई 27 योजनाओं का ठेका केवल तीन संस्थाओं को ही दिया गया, जिन्हें कुल मिलाकर लगभग 73 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। बताया जा रहा है कि ये तीनों संस्थाएं एक ही स्थान से संचालित थीं। मामले के सामने आने के बाद प्रशासनिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठे हैं। जांच एजेंसियां अब पूरे प्रकरण की गहन पड़ताल में जुटी हैं।

गडकरी और परिवार को जान से मारने की धमकी

आयुष अग्रवाल के खिलाफ केस दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो डालकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी उनके परिवार को धमकी देने का मामला सामने आया है। इस गंभीर प्रकरण में नागपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के नांगलोई निवासी सुमित कुमार चौहान जो एक बिजनेसमैन होने के साथ अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है, 22 अप्रैल को निजी काम से नागपुर आए थे। नागपुर के यशवंत स्टेडियम इलाके में जब वह मौजूद थे, तब उन्होंने फेसबुक पर सनातनी शेर नाम के अकाउंट से अपलोड एक वीडियो देखा। इस वीडियो में एक व्यक्ति केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपी, गडकरी के परिवार के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए गंभीर धमकियां दे रहा था। इसके बाद चौहान ने धनतोली पुलिस पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और आरोपी की पहचान नागपुर निवासी आयुष रमेश चंद्र अग्रवाल, महालक्ष्मी नगर मानेवाड़ा चौक निवासी के रूप में की है। जांच में सामने आया है कि वीडियो नागपुर से पोस्ट किया गया था।

हिंदमाता एंकर: महाराष्ट्र मोटार वाहन नियम में होगा बदलाव, संशोधन के लिए प्रस्ताव तैयार, मराठी भाषा के अनिवार्यता को देखते हुए फैसला

संजय निरुपम और मनसे सैनिकों के बीच झड़प, कार की हवा निकाली, फेंकी बोतल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई में ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता का मुद्दा अब सड़कों पर हिंसक संघर्ष में तब्दील हो गया है। शुक्रवार को दहिसर इलाके में उस समय भारी तनाव फैल गया जब शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता संजय निरुपम और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। इस झड़प के दौरान मनसे कार्यकर्ताओं ने निरुपम की कार को निशाना बनाया, उनकी गाड़ी की हवा निकाल दी और उन पर बोतलें फेंकी।

निरुपम वापस जाओ के नारे लगाए

यह विवाद तब शुरू हुआ जब संजय निरुपम सरकार के मराठी अनिवार्य फैसले का विरोध कर रहे रिक्शा चालकों से संवाद करने दहिसर स्थित एक रिक्शा स्टैंड पहुंचे थे। जैसे ही निरुपम ने चालकों को संबोधित करना शुरू किया, मनसे कार्यकर्ता बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए और मराठी विरोधी निरुपम वापस जाओ के नारे लगाने लगे।

आधे घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा

मौके पर मौजूद चश्मदीदों के मुताबिक, करीब आधे घंटे तक शिंदे सेना और मनसे के पदाधिकारियों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। जब निरुपम अपना कार्यक्रम खत्म कर वहां से निकलने लगे, तो मनसे कार्यकर्ता आक्रामक हो गए। उन्होंने निरुपम के वाहन पर पत्थर और पानी की बोतलें फेंकने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उपद्रव करने वाले मनसे सैनिकों को हिरासत में लिया। मनसे नेता नयन कदम ने इस हमले का बचाव करते हुए कहा कि जो कोई भी महाराष्ट्र में मराठी का विरोध करेगा, उसे मनसे के अंदाज में जवाब दिया जाएगा।

सदावर्ते का अमित ठाकरे पर तंज

इस पूरे घटनाक्रम के बीच वकील गुणरत्न सदावर्ते ने मनसे के युवा नेता अमित ठाकरे को निशाने पर लेते हुए विवादित बयान दिया है। दरअसल अमित ठाकरे ने चेतावनी दी थी कि हड़ताल के दौरान यदि किसी मराठी रिक्शा चालक को रोका गया, तो मनसे उन्हें सबक सिखाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सदावर्ते ने मीडिया से कहा, क्या अमित ठाकरे अब कांस्टेबल या आरटीओ सिपाही बन गए हैं? राज ठाकरे के बच्चे खुद कौन सी भाषा बोलते हैं? उनके भाषणों में समझदारी की कमी है।" सदावर्ते ने अमित ठाकरे का मजाक उड़ाते हुए उनके नेतृत्व पर भी सवाल खड़े किए।

राजनीतिक सरगर्मी तेज

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के फैसले ने महायुति के भीतर ही दरार पैदा कर दी है। जहां एक तरफ सरनाईक और मनसे इस फैसले के साथ खड़े हैं, वहीं संजय निरुपम और गुणरत्न सदावर्ते इसे संविधान के खिलाफ बता रहे हैं। 4 मई को प्रस्तावित 15 लाख चालकों की हड़ताल से पहले मुंबई में बढ़ता यह तनाव प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

महाराष्ट्र मोटार वाहन नियम में होगा बदलाव!

महाराष्ट्र में ऑटो- टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। महाराष्ट्र मोटार वाहन नियम , 1989 के नियम 4, 78 और 85 में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके तहत वाहन चालकों के लिए मराठी भाषा का व्यवहारिक ज्ञान (वर्किंग नॉलेज) अनिवार्य करने की योजना है। इस संबंध में परिवहन आयुक्त की ओर से प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा जा चुका है और ड्राफ्ट अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, सार्वजनिक सेवा वाहन चलाने की अनुमति (ऑथराइजेशन) देते समय आवेदक के चरित्र और पृष्ठभूमि के साथ-साथ मराठी भाषा के ज्ञान की भी जांच की जाएगी।

मुंबई मराठी साहित्य संघ सिखाएगा भाषा

सरनाईक ने कहा कि मुंबई मराठी साहित्य संघ ने राज्य भर में अपनी अलग-अलग ब्रांच में ऑटो रिक्शा ड्राइवरों और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सिखाने की जिम्मेदारी ली है। इससे मराठी को बढ़ावा मिलेगा। कोंकण मराठी साहित्य परिषद भी मिलकर कोंकण इलाके में मराठी सिखाएगी।

पत्नी की हत्या में मजदूर गिरफ्तार

वारदात के बाद नवी मुंबई से पकड़ा गया आरोपी

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर जिले में अपनी पहली पत्नी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद अपनी दूसरी पत्नी और बच्चों के साथ फरार हुए एक प्रवासी मजदूर को नवी मुंबई में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी मुन्ना ब्रह्मदेव यादव (28) ने पीड़िता के कथित विवाहेतर संबंध को लेकर हुए विवाद के बाद यह अपराध किया। पुलिस ने यह भी बताया कि यादव की दूसरी पत्नी को भी हत्या के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है।

ठेकेदार ने यादव की शुरू तलाश

उन्होंने बताया कि पीड़िता आरती उर्फ सपना कुमारी (19) और आरोपी, जो बिहार का रहने वाला है, प्रवासी मजदूरों के एक परिवार से हैं जो विरार क्षेत्र में निर्माणाधीन इमारत में काम करता है। यादव अपनी दो पत्नियों और बच्चों के साथ 17 अप्रैल को इस इलाके में आया था। जब यादव 21 अप्रैल को काम पर नहीं आया, तो निर्माण ठेकेदार ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने दी जानकारी

पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ठेकेदार को बाद में आरती का शव चोट के निशानों के साथ मिला और उसने पुलिस को बुलाया। इसके बाद बोलिंज पुलिस थाने की एक टीम ने यादव का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। मिली सूचनाओं के आधार पर उन्होंने संदिग्ध को नवी मुंबई के पनवेल से गिरफ्तार किया, जहां वह अपनी दूसरी पत्नी और बच्चों के साथ था। बावचे ने बताया कि यादव की दूसरी पत्नी को भी इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी ने दिया बयान

अधिकारी ने बताया कि यादव ने पुलिस को बताया कि आरती के कथित विवाहेतर संबंध को लेकर हुए विवाद के बाद उसने आरती का सिर दीवार पर दे मारा। उन्होंने कहा कि दूसरी पत्नी से जन्मे बच्चों को किशोर अदालत के अस्थायी संरक्षण में रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमने बिहार में यादव के माता-पिता को सूचित कर दिया है, जो पालघर के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके पहुंचने पर बच्चों को उन्हें सौंप दिया जाएगा।

दैवी विधि के नाम पर बाबा ने किया महिला का यौन शोषण

• आपत्तिजनक फोटो भी ली, अब शुरू हुई जांच

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक के लासलगांव में एक और कथित ढोंगी बाबा के खिलाफ गंभीर मामला दर्ज किया गया है। महेशगिरी उर्फ महेश दिलीप काकडे नाम के आरोपी पर एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है, जिसके बाद उसके खिलाफ जादू-टोना विरोधी कानून और बलात्कार की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति से संपर्क किया था। इसके बाद आरोपी बाबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। आरोपी ने निफाड तालुका के धरणगांव (खड़क) गांव में गाणगापुर मठ की तर्ज पर अपना ठिकाना बना रखा था। वह पारिवारिक समस्याओं का समाधान करने का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। 'भूत-प्रेत की बाधा' का डर दिखाकर पीड़ितों को पापनाशक कुंड में स्नान करने और औदुंबर के पेड़ के चक्कर लगाने के लिए मजबूर किया जाता था।

दैवी विधि के नाम पर यौन शोषण

पीड़ित महिला का आरोप है कि आरोपी ने जन्मतिथि और अन्य जानकारी लेने के बहाने उससे संपर्क बढ़ाया और बाद में अश्लील संदेश भेजना शुरू कर दिया। इसके बाद 'दैवी विधि' के नाम पर उसे नाशिक-त्र्यंबक रोड स्थित एक लॉज में ले जाकर यौन शोषण किया। साथ ही, आपत्तिजनक फोटो लेने का भी आरोप लगाया गया है।

दैवी डर दिखाकर किया शोषण

महिला का कहना है कि आरोपी ने गले में रुद्राक्ष और दैवी डर दिखाकर साल 2024 में भी उसका शोषण किया। पीड़िता ने अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (अंनिस) के पदाधिकारियों से शिकायत की, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लासलगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पीड़िता ने आशंका जताई है कि आरोपी ने कई अन्य महिलाओं को भी अपना शिकार बनाया हो सकता है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

फ्लोर मिल कर्मचारी हत्या का खुलासा

नालासोपारा में वारदात, आरोपी प्रतापगढ़ से गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में फ्लोर मिल कर्मचारी की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अपराध प्रकटीकरण कक्ष-02 वसई और तुलिंज पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है।

घटना का विवरण

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल 2026 की रात करीब 9 बजे से पहले संतोष भवन स्थित लसाविर मंदिर के पास पांडेय फ्लोर मिल में काम करने वाले उमेश राधेश्याम यादव (38) की अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से सिर, गर्दन और हाथ पर वार कर हत्या कर दी थी।

मामला दर्ज

घटना के बाद योगेश सांचु यादव की शिकायत पर तुलिंज पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 1296/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में मामला दर्ज किया गया।

जांच और गिरफ्तारी

जांच के दौरान आरोपी की पहचान आकाशकुमार अशोककुमार गुप्ता (28) के रूप में हुई, जो तुर्भे, नवी मुंबई में रह रहा था और मूल रूप से प्रतापगढ़ का निवासी है। फरार आरोपी को पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश के जेठवारा थाना क्षेत्र से हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपराध कबूल कर लिया।

पुलिस की कार्रवाई

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक सहित वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। टीम में अपराध प्रकटीकरण कक्ष-02 वसई और तुलिंज पुलिस के कई अधिकारियों का योगदान रहा। पुलिस की तत्परता से गंभीर मामले का खुलासा कर आरोपी को पकड़ लिया गया, जिसकी क्षेत्र में सराहना हो रही है।

गोरखपुर के लिए 248 स्पेशल ट्रेनें

मध्य रेल ने गर्मियों में बढ़ती भीड़ के मद्देनजर मुंबई-पुणे से चलाई अतिरिक्त सेवाएं

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने मुंबई और पुणे से गोरखपुर के लिए 248 अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। ये ट्रेनें विशेष शुल्क पर चलाई जाएंगी, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

सीएसएमटी से दैनिक सेवा

सीएसएमटी मुंबई-गोरखपुर-सीएसएमटी के बीच 124 सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 01079, 15 मई से 15 जुलाई तक रोजाना रात 10:30 बजे सीएसएमटी से रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वहीं 01080, 17 मई से 17 जुलाई तक गोरखपुर से दोपहर 2:30 बजे चलकर तीसरे दिन तड़के 12:40 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। प्रमुख ठहराव दादर, ठाणे, कल्याण, नाशिक रोड, भुसावल, इटारसी, भोपाल, झांसी, कानपुर, लखनऊ समेत अन्य स्टेशनों पर होंगे।

पुणे-हडपसर रूट पर ट्रेनें

पुणे-गोरखपुर-हडपसर के बीच भी 124 सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन 01415, 15 मई से 15 जुलाई तक रोजाना सुबह 6:50 बजे पुणे से चलकर अगले दिन शाम 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी में 01416, 16 मई से 16 जुलाई तक शाम 5:30 बजे गोरखपुर से चलकर तीसरे दिन तड़के 3:15 बजे हडपसर पहुंचेगी।

आरक्षण की जानकारी

विशेष ट्रेनों 01079 और 01415 के लिए बुकिंग 26 अप्रैल 2026 से सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। अनारक्षित कोचों के टिकट यूटीएस सिस्टम और रेलवन ऐप के जरिए लिए जा सकेंगे।

अन्ना पैलेस ऑर्केस्ट्रा बार में छापा

गुप्त कमरे से 13 लड़कियां रेस्क्यू

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

भायंदर पूर्व के नवघर पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित अन्ना पैलेस ऑर्केस्ट्रा बार पर काशीमीरा क्राइम ब्रांच सेल-1 की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुप्त और बेहद संकरे स्थान से 13 लड़कियों और एक लड़के को सुरक्षित बाहर निकाला। मिली जानकारी के अनुसार काशीमीरा पुलिस स्टेशन के क्राइम डिटेक्शन सेल-1 के प्रभारी अधिकारी सुशील कुमार शिंदे को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि फाटक रोड स्थित इस बार में नियमों से अधिक लड़कियां रखी जा रही हैं। उन्हें छोटे कपड़े पहनाकर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अश्लील नृत्य और इशारे करने के लिए मजबूर किया जाता था। सूचना के आधार पर गुरुवार की मध्यरात्रि में पुलिस टीम ने पंचों और महिला कर्मचारियों के साथ बार पर छापा मारा।कार्रवाई के दौरान मंच पर चार महिला कलाकार अश्लील इशारे करते हुए मिलीं, जबकि मेकअप रूम में तीन अन्य लड़कियां पाई गईं।

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से खुलने वाले दरवाजे

जांच के दौरान पुलिस को बाथरूम और सीढ़ियों के पास टाइलों में असामान्य गैप दिखाई दिया। जब इसकी गहन जांच की गई तो एक गुप्त स्थान का खुलासा हुआ।यह स्थान इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से खुलने वाले लोहे के दरवाजे के पीछे बनाया गया था, जो लगभग 8 फीट लंबा और 2.5 फीट चौड़ा संकरी गली था। यहां अत्यधिक भीड़ में 6 लड़कियां और एक लड़का दम घुटने जैसी स्थिति में खड़े पाए गए।

अश्लील गतिविधिया

पुलिस ने इस मामले में कुल 13 आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत नवघर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। आरोपियों पर अवैध रूप से लड़कियों को रखने, उन्हें छिपाने, उनकी जान खतरे में डालने और अश्लील गतिविधियों में लिप्त कराने के गंभीर आरोप हैं।

13 लड़कियों को सुरक्षित रेस्क्यू

इस पूरी कार्रवाई को पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप दोइफोडे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। टीम में कई पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे, जिनके संयुक्त प्रयास से यह सफल ऑपरेशन पूरा हुआ। पुलिस ने सभी 13 लड़कियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

पालघर विस्फोट पीड़ितों को मदद का भरोसा

उप सभापति नीलम गोरहे ने घटनास्थल का दौरा कर हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

महाराष्ट्र विधान परिषद की उप सभापति नीलम गोरहे ने पालघर जिले में पटाखा बनाने वाली एक अनधिकृत इकाई में हुए हालिया विस्फोट के पीड़ितों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। पालघर जिले में 21 अप्रैल को हुए विस्फोट में दो मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गोरहे ने गुरुवार को वाडा तालुका के कोंसाई गांव में दुर्घटनास्थल का दौरा किया और बाद में उन्होंने घायल मजदूरों से अस्पताल में मुलाकात की। शिवसेना से ताल्लुक रखने वाली गोरहे ने पत्रकारों से कहा, मैंने घायल श्रमिकों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। मैं सरकार के स्तर पर इस मामले को आगे बढ़ाऊंगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें पर्याप्त सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि इस घटना की रिपोर्ट मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उपमुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी। गोरहे ने बताया कि उन्होंने पुलिस, राजस्व और श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक भी की, जिसमें उन्होंने औद्योगिक इकाइयों की कड़ी निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 10 से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाली इकाइयों में श्रम कानूनों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

बारामती उपचुनाव में गरमाई सियासत

प्राथमिकी में देरी पर सुप्रिया सुले का सरकार पर हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में हुई मृत्यु के मामले में अब सियासत गरमा गई है। बारामती उपचुनाव के दौरान मतदान करने पहुंचीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुले ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस राज्य के उपमुख्यमंत्री के साथ इतना बड़ा हादसा हुआ, वहां की सरकार ने अब तक एफआईआर तक दर्ज नहीं की।

न्याय के लिए दूसरे राज्य का सहारा

सुप्रिया सुले ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि न्याय दिलाने की कोशिशें महाराष्ट्र के बजाय दूसरे राज्य में हुई। उन्होंने बताया, 'जिस राज्य में कांग्रेस की सरकार है, वहां रोहित पवार के प्रयासों से एफआईआर दर्ज की गई। महाराष्ट्र सरकार को बहुत पहले ही यह कदम उठाना चाहिए था।

अजित दादा के निधन के 3 महीने बाद ही चुनाव दुखद

सांसद सुले ने अजित पवार के निधन के तीन महीने के भीतर ही उपचुनाव कराए जाने पर भी गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इसे असंवेदनशील बताते हुए मतदाताओं से भावुक अपील की। उन्होंने कहा कि अजित पवार के निधन का घाव अभी भरा नहीं है। मैं लोगों से अपील करती हूं कि वे भारी संख्या में मतदान कर डॉ। बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करें और वोट के जरिए ही अजित पवार को सच्ची श्रद्धांजलि दें।

सत्ता पक्ष के आंदोलन पर सवाल

मुंबई में भाजपा के मोर्वे पर निशाना साधते हुए सुले ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन का अधिकार सबको है, लेकिन सत्ताधारी दल द्वारा सड़कें जाम करना और आम जनता को परेशान करना गलत है।

लापरवाही की बाढ़, वाहन की टक्कर से फटी जलवाहिनी

हिंदमाता नेटवर्क @ संभाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर शहर में भीषण गर्मी और गहराते जल संकट के बीच गुरुवार को एक हृदयविदारक दृश्य सामने आया। टाउन हॉल क्षेत्र स्थित मलिक अंबर फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मुख्य जल पाइपलाइन फट गई। इस हादसे के कारण करीब डेढ़ घंटे तक लाखों लीटर शुद्ध पानी सड़कों पर बहकर नालों में मिल गया। जब शहर की आधी आबादी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रही है, तब इस तरह की बबार्दी ने मनपा प्रशासन की आपातकालीन कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कैसे हुआ हादसा?

जुबली पार्क जलकुंभ से कैंसर अस्पताल की ओर पानी की आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइपलाइन मलिक अंबर फ्लाईओवर से होकर गुजरती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक अनियंत्रित तेज रफ्तार वाहन ने पाइपलाइन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पाइपलाइन तुरंत फट गई और अत्यधिक दबाव के कारण पानी फव्वारे की तरह ऊंचाई तक उछलने लगा। देखते ही देखते फ्लाईओवर के ढलान पर पानी का सैलाब जमा हो गया। जहां एक ओर पानी की बबार्दी देख जागरूक नागरिक चिंतित थे, वहीं दूसरी ओर समाज की संवेदनहीनता भी उजागर हुई। सड़क पर बहते पानी को देखकर कुछ राहगीरों ने मौके का फायदा उठाना शुरू कर दिया और वहीं पर अपने दोपहिया और चार पहिया वाहन धोने लगे। संकट के समय में नागरिकों का यह व्यवहार 'आध्यात्मिक और ऐतिहासिक' कहे जाने वाले इस शहर की छवि पर एक दाग की तरह दिखा।

हिंदमाता एंकर: 33 कलाकारों की मौजूदगी में 'ग्लोबल आर्ट कॉन्फ़्लुएंस' का आयोजन

ताज आर्ट गैलरी में कला संगम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

विख्यात ताज महल पैलेस स्थित ताज आर्ट गैलरी में तीसरी ग्रुप आर्ट एग्ज़िबिशन - ग्लोबल आर्ट कॉन्फ़्लुएंस (संगम) का सफल आयोजन किया गया। इस एकदिवसीय इवेंट में देश-विदेश के इंटरनेशनल डिप्लोमैट, वरिष्ठ अधिकारी और 33 कलाकार एक साथ आए हैं। प्रदर्शानी की शुरुआत में विश्व विख्यात 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी-सरदार वल्लभभाई पटेल' के मूर्तिकार व डिजाइनर पद्मभूषण स्वर्गीय राम वी. सुतार को पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि मुंबई में बेलारूस गणराज्य के काउंसिल जनरल, महामहिम अलियाकसांद्र मात्सुको और सम्मानित अतिथि डॉ. विजय जी. कलंत्री, चेयरमैन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के साथ पद्मश्री डॉ. प्रकाश कोठारी (मेडिकल ल्यूमिनरी), पद्मश्री उदय विश्वनाथ देशपांडे (मल्लखंब गुरु) एवं पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, (जाने-माने कलाकार) ने दीप प्रज्वलित किए।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

इस अवसर पर निधि चौधरी, आईएएस (डायरेक्टर, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट), प्रेरणा देशभ्रतार, आईएएस (फिशरीज कमिश्नर) प्रशांत पाटिल, आईएएस (एडिशनल डायरेक्टर, मिनिस्ट्री ऑफ फाईनेंस), प्रो. हिम कुमार चटर्जी (वाइस-चांसलर: सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स), डॉ. किशोर इंगले (डायरेक्टर) एवं प्रो. वाघमारे (पूर्व डायरेक्टर) दोनों डायरेक्टरेट ऑफ आर्ट, महाराष्ट्र सरकार से), और सुनील देवरे (प्रसिद्ध मूर्तिकार) भी शामिल थे।

प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी

इस समारोह में प्रमोद मिश्रा (अध्यक्ष, उत्तर भारतीय मोर्चा, मुंबई भाजपा), डॉ. उत्तम वी. जैन (मेंबर, इंडियन फिल्म सेंसर बोर्ड), किशोर खाबिया जैन (खाबिया ग्रुप), महेंद्र कलंत्री (डायरेक्टर, एक्लेम सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड), जगदीश पुरोहित (चेयरमैन, इंडिया प्रेस), संजय निकम (आर्टिस्ट और क्यूरेटर, गांधी फिल्म फाउंडेशन आर्ट गैलरी), प्रो. हेमंत सामंत (जर्नलिस्ट और ट्रांसलेटर) समेत कई हस्तियों ने समावेश किया।

आयोजन और सहयोग

इस इवेंट को कला संवाद के राजकुमार शर्मा ने आयोजन किया था, नंदू सरस्वती ने क्यूरेट किया, हर्षित आर. शर्मा ने कॉन्सेप्ट डिजाइन किया और जगदीश पी पुरोहित ने इसे प्रेरित किया था। इस प्रदर्शनी में संग्राहक, मीडिया एवं कला के शौकीनों ने हिस्सा लिया, जिससे यह मुंबई में एक अहम सांस्कृतिक विरासत बन गया।

कलाकारों की भागीदारी

प्रदर्शनी में पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, पद्मश्री सुधारक ओल्वे, निधि चौधरी (आईएएस), सुनील देवरे (प्रख्यात मूर्तिकार), मीनाक्षी पाठक (मास्टर ऑफ आर्ट्स), शिरीष एस. जोगलेकर (प्रोफेसर), रजनीनाथ लुडबे (कला गुरु), मानवेंद्र श्रॉफ (कला स्नातक [ऑनर्स]), शिल्पा सुराणा (मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स), श्रेयस खानविलकर (मूर्तिकार), अनूप रामराव भोयर (मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स), सत्यजीत चंद्र चंदा (मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स), यल्दा ओस्तवार (मास्टर ऑफ फैशन डिजाईन- ईरानी पुणे), नंदू सरस्वती (मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स), नितिन कुलकर्णी (स्नातकोत्तर, एम.बी.ए.), दीपिका शाह (एम.बी.ए.), प्रदीपकुमार एम. अरगड़े (मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स), रूपल सोनिगरा (विज्ञान स्नातक), श्याम मनोहर चव्हाण (जी.डी. आर्ट्स, डिप. एड), वर्षा एन. वालावलकर (जी.डी. आर्ट्स), चंद्रशेखर भट (टेकनोलोजी स्नातक), सोहन कुमार चौधरी (फाइन कला स्नातक), अंशु बी. विश्वकर्मा (फाइन कला स्नातक), रोशन बंजारा (फाइन कला स्नातक), साक्षी विलास जालवी (फाइन कला स्नातक), समिधा लाड (आर्चीटेकचर स्नातक), अर्चना मेहता (विज्ञान स्नातक), सुधीर पटोले (मूर्तिकार), विनी कपूर (कला स्नातक), हर्षा (कला स्नातक), जेहरा गुलाम हुसैन (कॉमर्स स्नातक), महेंद्र सुदाम शेंद्रे (कलाकार) और विभावरी देसाई (कलाकार)।

शॉर्ट स्टोरी

प्रयागराज की हनुमंत कथा में शामिल हुए बृजेश व अन्नपूर्णा सिंह

हिंदमाता संवाददाता @ प्रयागराज

श्री जगन्नाथ धाम अस्सी काशी के अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह ने अपनी धर्मपत्नी और वर्तमान एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह के साथ प्रयागराज के अरैल में आयोजित श्री हनुमंत कथा में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके श्रीमुख से दिव्य कथा का श्रवण किया। पत्रकारों से बातचीत में बृजेश सिंह ने कहा कि भारत की संस्कृति और सभ्यता सदैव देवी-देवताओं के चरणों में आधारित रही है। उन्होंने कहा कि देश के सभी जाति और धर्म के लोग आस्था रखते हैं, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों और नेताओं द्वारा देवी-देवताओं के खिलाफ दुष्प्रचार करना निंदनीय है। उन्होंने लोगों से भारतीय संस्कृति के अनुरूप ईश्वर का वंदन करने और नियमित रूप से पूजा-पाठ करने की अपील की। उनके अनुसार, इससे घर में शांति, परिवार में उन्नति और समाज में भाईचारा बढ़ता है। कार्यक्रम के अंत में हनुमंत कथा आयोजन समिति द्वारा बृजेश सिंह को गदा भेंट कर सम्मानित किया गया।

हार्बर लाइन पर रविवार को मेगा ब्लॉक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल द्वारा 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को हार्बर लाइन पर मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से चुनाभट्टी/बांद्रा खंड के बीच विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए किया जा रहा है। ब्लॉक के कारण सीएसएमटी-चुनाभट्टी/बांद्रा डाउन हार्बर लाइन पर सुबह 11:40 बजे से शाम 4:40 बजे तक तथा अप लाइन पर 11:10 बजे से 4:10 बजे तक सेवाएं प्रभावित रहेंगी। इसके अलावा सीएसएमटी से वाशी, बेलापुर और पनवेल के लिए चलने वाली कई सेवाएं 11:16 बजे से 4:47 बजे तक तथा बांद्रा/गोरेगांव के लिए सेवाएं 10:48 बजे से 4:43 बजे तक निलंबित रहेंगी। इसी तरह पनवेल, बेलापुर और वाशी से सीएसएमटी की ओर आने वाली अप सेवाएं सुबह 9:53 बजे से दोपहर 3:20 बजे तक तथा गोरेगांव/बांद्रा से सीएसएमटी की ओर सेवाएं 10:45 बजे से 5:13 बजे तक बंद रहेंगी। हालांकि, ब्लॉक अवधि के दौरान पनवेल और कुर्ला (प्लेटफॉर्म नंबर 8) के बीच हर 20 मिनट में विशेष लोकल सेवाएं चलाई जाएंगी। यात्रियों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक मेन लाइन और पश्चिम रेलवे का विकल्प अपनाने की सलाह दी गई है। मध्य रेल ने स्पष्ट किया है कि सीएसएमटी-कल्याण खंड की मेन लाइन पर कोई मेगा ब्लॉक नहीं रहेगा। यह ब्लॉक बुनियादी ढांचे के रखरखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है।

केडीएमसी में 20 करोड़ के प्रस्ताव

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) की स्थायी समिति की बैठक 24 अप्रैल को आयोजित की गई, जिसमें करीब 20 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रस्ताव मंजूरी के लिए पेश किए गए। नगर निगम चुनाव के बाद यह पहली स्थायी समिति बैठक है, जो दोपहर 2 बजे बुलाई गई। बैठक के एजेंडा में सबसे अधिक 12 करोड़ रुपए के प्रस्ताव स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं। इनमें दवाइयों, सर्जिकल सामग्री, रक्त जांच किट और अन्य स्वास्थ्य उपकरणों की दो वर्षों के लिए खरीद शामिल है। इसके अलावा डोंबिवली पूर्व में बेघर लोगों के लिए आश्रय केंद्र के संचालन और देखभाल हेतु 1.27 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे करीब 90 लाभार्थियों को सेवाएं मिलेंगी। अन्य प्रस्तावों में महापौर निवास के मरम्मत कार्य के लिए 57 लाख रुपए, माणेरे और काटेमानिवली क्षेत्र में सरकारी जमीन पर सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए शामिल हैं। वहीं, नौ प्रभागों में नालों की सफाई के लिए 3.41 करोड़ रुपए की निविदा जारी करने का प्रस्ताव भी एजेंडा में रखा गया है। सभी प्रस्तावों पर बैठक में चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

वसई-विरार मनपा सभा में जनगणना 2027 की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार महानगरपालिका की सर्वसाधारण सभा में जनगणना 2027 को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। शहर जनगणना अधिकारी एवं उप-आयुक्त हर्षला राणे ने जनप्रतिनिधियों को प्रक्रिया, महत्व और नागरिकों की भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जनगणना एक राष्ट्रीय स्तर की अनिवार्य प्रक्रिया है, जिसके जरिए जनसंख्या, आवास, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी जानकारी जुटाई जाती है। इसी आधार पर सरकारी योजनाएं और नीतियां तय होती हैं। जनगणना 2027 देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी, जो पहली बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगी। मोबाइल ऐप के जरिए डेटा संग्रह किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी। इस बार स्व-गणना पोर्टल की सुविधा भी दी गई है, जहां नागरिक खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में 2026 में मकान सूचीकरण और दूसरे में 2027 में जनसंख्या से जुड़ी जानकारी एकत्रित की जाएगी। स्व-गणना 1 मई से 15 मई 2026 तक होगी, जबकि 16 मई से 14 जून तक घर-घर सर्वे किया जाएगा। प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों से नागरिकों को स्व-गणना में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की है। सभा में महापौर, आयुक्त सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

साईबाबा मूर्ति हटाने पर विवाद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

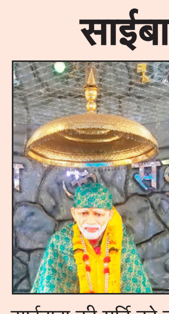

अंधेरी पूर्व के एमआईडीसी और विजय नगर ब्रिज के पास स्थित साईबाबा के वर्षों पुराने मंदिर को हटाए जाने से इलाके में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर दशकों से आस्था का केंद्र था, जहां भवानी नगर, विजय नगर, पुलिस कॉलोनी, अशोक नगर और मिलिट्री रोड के लोग पूजा-अर्चना के लिए आते थे। आरोप है कि नीलकमल बिल्डर ने बिना सहमति मंदिर और साईबाबा की मूर्ति को हटा दिया। बिल्डर का दावा है कि संबंधित जमीन उसकी निजी संपत्ति है। इस कार्रवाई के बाद लोगों में तीव्र नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय प्रमोद सावंत ने बताया कि मूर्ति को एमआईडीसी के भंगारवाड़ा क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, नागरिकों ने चेतावनी दी है कि जब तक पुराने स्थान पर मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं होता, तब तक निर्माण कार्य का विरोध जारी रहेगा। इस घटना की कई सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने कड़ी निंदा की है। कुछ लोगों ने इस पूरे मामले में बड़े स्तर पर हस्तक्षेप और लेनदेन की आशंका भी जताई है। फिलहाल, क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और आगे के घटनाक्रम पर सभी की नजर है।

सरकारी अस्पताल में एक्सपायर्ड दवाएं

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

भायंदर के पंडित भीमसेन जोशी सरकारी अस्पताल में एक्सपायर्ड दवाएं दान किए जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक सामाजिक संगठन द्वारा करीब 1.65 करोड़ रुपए की दवाएं दान में दी गईं, जिनकी एक्सपायरी तिथि बेहद नजदीक पाई गई। हालांकि अस्पताल प्रशासन की सतर्कता के चलते इन दवाओं का उपयोग नहीं किया गया और तुरंत शिकायत दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार, भायंदर पश्चिम स्थित इस 200 बेड के सरकारी अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। अस्पताल में सुविधाओं की कमी को देखते हुए कई सामाजिक संगठन सहयोग करते रहे हैं। इसी क्रम में 27 मार्च को 'सक्षम फाउंडेशन' द्वारा दवाएं दान की गई थीं, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। दवाओं की जांच के दौरान अस्पताल प्रबंधन को पता चला कि उनकी एक्सपायरी 30 मार्च तक ही थी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधक ने संगठन के खिलाफ शिकायत दर्ज कर राज्य सरकार को सूचित किया। मामले की जानकारी मिलने पर प्रताप सरनाइक ने अस्पताल का दौरा किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित संगठन के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए और अस्पताल की सुविधाएं सुधारने के भी आदेश जारी किए।

ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव टनेल गिरगांव तक बढ़ेगी

●एमएमआरडीए का प्रस्ताव, एमटीएचएल से जुड़ेगी मुंबई की गहरी सड़क सुरंग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में ट्रैफिक की समस्या हल करने के लिए मेट्रो रेल, कोस्टल रोड के विस्तार के साथ अंडरग्राउंड टनेल रोड का काम भी तेजी से चल रहा है। मुंबई के पश्चिमी हिस्से मरीन ड्राइव को सीधे पूर्वी हिस्से के ऑरेंज गेट को जोड़ने के लिए टनल रोड बनाई जा रही है। यह मुंबई की सबसे गहरी शहरी टनेल है। इस बीच एमएमआरडीए ने ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव सुरंग को गिरगांव चौपाटी तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए एमएमआरडीए ने ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव भूमिगत सुरंग के निकास द्वार को गिरगांव चौपाटी के पास उत्तर की ओर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया है। संशोधित योजना को तटीय क्षेत्र प्राधिकरण से नई मंजूरी मिलने वाली है।अधिकारियों के अनुसार बदलाव से इस इलाके में बढ़ते ट्रैफिक को बेहतर ढंग से नियोजित किया जा सकेगा। जिससे दोनों बिंदुओं के बीच यात्रा का समय लगभग पांच मिनट तक और कम हो जाएगा।

ट्रैफिक जाम से मुक्ति

संशोधित योजना के अनुसार, सुरंग का निकास बिंदु वानखेड़े स्टेडियम के पास से उत्तर की ओर स्थानांतरित कर दिया गया है और अब यह गिरगांव चौपाटी के पास स्थित हिंदू जिमखाना के निकट होगा। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग के विस्तार का निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सिफारिश के बाद लिया गया।

सबसे गहरी टनलिंग

उल्लेखनीय है कि मुंबई कोस्टल रोड की सुरंगें मालाबार हिल के नीचे 72 मीटर की अधिकतम गहराई तक बनी हैं। लेकिन ऑरेंज गेट प्रोजेक्ट खास तौर पर मुंबई के घनी आबादी वाले क्षेत्र व बड़ी इमारतों के नीचे से गुजरने वाली है। इसलिए इसे 75 मीटर से अधिक की टनलिंग कर बनाया जा रहा है। एमएमआरडीए के अनुसार ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव टनल का मेन ड्राइव शुरू हो चुका है। यह भारत के सबसे कठिन शहरी रोड टनलिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव के मेन टनलिंग ड्राइव की शुरूआत होने से अब प्रोजेक्ट के काम में और तेजी आएगी। मुंबई की मुश्किल कोस्टल जियोलॉजी के लिए खास तौर पर बनाई गई भारत की सबसे बड़ी स्लरी शील्ड टीबीएम टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तेजी से टनलिंग का काम कर रही है। कुछ ही दिनों में 70 मीटर से ज्यादा की खुदाई कर ली है।

अटल सेतु से जुड़ेगी

■ ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव टनल और ईस्टर्न फ्री वे से होते हुए सीधे अटल सेतु से जुड़ेगी। जबकि पश्चिमी तट के साथ इसे सीधा लिंक मिलेगा। वाहन मात्र 5 मिनट में मरीन ड्राइव से ईस्टर्न फ्री वे पर पहुंच जाएंगे। 8,056 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट साउथ मुंबई के सबसे भीड़-भाड़ वाली सड़कों को बाईपास करने के लिए एमएमआरडीए द्वारा डिजाइन किया गया। यह अलाइनमेंट लगभग 700 इमारतों, हेरिटेज साइट्स और मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर के नीचे से सुरक्षित रूप से गुजरने के लिए 12 से 52 मीटर की औसत गहराई बनाए रखता है। यह अंडरग्राउंड सड़क ऑरेंज गेट से डी'मेलो रोड पर पुराने एल्फिंस्टन ब्रिज, रेलवे ट्रैक, जेजे फ्लाईओवर, भिंडी बाजार, खेतवाड़ी और लैमिंगटन रोड के नीचे से गुजरने वाली है। यह मेट्रो 3 लाइन के नीचे से भी गुजरने वाली है। बताया गया कि प्रोजेक्ट लगभग 16% पूरा हो चुका है। इसे जून 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य राज्य सरकार ने रखा है।

7 किमी की जुड़वा सड़क सुरंग

■ इस टनल प्रोजेक्ट की कुल लंबाई लगभग 9.96 किमी है,जिसमें से लगभग 7 किमी जमीन के नीचे जुड़वा सुरंग बनाई जा रही है। ट्विन-ट्यूब सुरंगें, जिनमें से हर एक में दो ट्रैफिक लेन (3.2 मीटर चौड़ाई) और एक डेडिकेटेड इमरजेंसी लेन (2.5 मीटर) होगा। पहली टनल, जो अभी बन रही है, 3.45 किमी तक फैली हुई है। यह सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे कॉरिडोर और मुंबई मेट्रो लाइन 3 के नीचे से गुजरने वाली है। इसका विस्तार गिरगांव चौपाटी तक होने से लंबाई और खर्च दोनों में बढ़ोतरी होने वाली है।

विदर्भ में 3 नए एक्सप्रेसवे को मंजूरी

नागपुर-गोंदिया-गड़चिरोली-चंद्रपुर की कनेक्टिविटी बदलेगी, जानें पूरा रूट

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचे के विकास का पहिया अब राज्य के पूर्वी छोर 'विदर्भ' की ओर तेजी से मुड़ गया है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसका ध्यान केवल मुंबई या पुणे के ट्रैफिक और विकास तक सीमित नहीं है। विदर्भ के सुदूर जिलों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने के लिए तीन विशाल एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की घोषणा की गई है, जो इस क्षेत्र के लिए 'लाइफलाइन' का काम करेंगी।

क्या हैं ये तीन बड़ी परियोजनाएं?

महाराष्ट्र सड़क विकास निगम के तहत तैयार होने वाले ये प्रोजेक्ट्स पूरी तरह से 'एक्सेस-कंट्रोल्ड' (प्रवेश-नियंत्रित) होंगे, जो ठीक 'समृद्धि महामार्ग' की तर्ज पर बनाए जाएंगे।

आर्थिक और औद्योगिक क्रांति की आहट

नागपुर-चंद्रपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चंद्रपुर, जो अपने कोयला और स्टील उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है, इस सड़क के बनने से सीधा लॉजिस्टिक्स लाभ उठा सकेगा। वहीं, गोंदिया और गड़चिरोली जैसे नक्सल प्रभावित और पिछड़े माने जाने वाले क्षेत्रों को इन सड़कों के माध्यम से विकास की नई किरण मिलेगी। जब कच्चे माल और तैयार माल की आवाजाही तेज होगी, तो परिवहन की लागत कम होगी, जिससे विदर्भ का माल वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेगा।

रियल एस्टेट और रोजगार पर असर

विदर्भ में इन प्रोजेक्ट्स का सबसे बड़ा तात्कालिक असर 'रियल एस्टेट' पर दिखने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है कि एक्सप्रेसवे के पास वाले 'एग्जिट पॉइंट्स' और 'इंटरचेंज' के पास जमीन की कीमतें अगले 2-3 वर्षों में 50% से 100% तक बढ़ सकती हैं। नागपुर, जो पहले से ही भारत का 'लॉजिस्टिक्स हब' है, अब चंद्रपुर और भंडारा जैसे शहरों को अपने 'सैटेलाइट टाउन' के रूप में विकसित होते देखेगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में हजारों नौकरियां पैदा होंगी।

प्रोजेक्ट की स्थिति और टाइमलाइन

कैबिनेट द्वारा फंडिंग की मंजूरी मिलने के बाद, अब गेंद प्रशासन के पाले में है। वर्तमान में अधिकांश मार्गों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। सरकार का लक्ष्य है कि 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत तक निविदाएं जारी कर दी जाएं। हालांकि, जमीन अधिग्रहण की जटिल प्रक्रिया को देखते हुए आम जनता को इन एक्सप्रेसवे पर सफर करने के लिए 4 से 5 साल का इंतजार करना पड़ सकता है।

भंडारा में भीषण रोड एक्सीडेंट

ट्रक और कार की टक्कर में 5 लोगों की मौत

3 गंभीर रूप से घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ भंडारा

भंडारा जिले से एक रूह कंपकपा देने वाली खबर सामने आई है। यहां पवनी तहसील के अड्याळ क्षेत्र में एक ट्रक ने मारुति वैन को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। 23 अप्रैल गुरुवार रात 9:45 बजे घटित इस भीषण हादसे में 4 महिलाओं और एक पुरुष सहित कुल 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

वधु पक्ष के घर से लौट रहे थे बाराती

मिली जानकारी के अनुसार, भंडारा जिले की पवनी तहसील के कोंढा कोसरा में अड्याळ गांव से एक बारात गई थी। विवाह संपन्न होने के बाद, जब बाराती मारुति वैन में सवार होकर अपने गृहग्राम अड्याळ वापस लौट रहे थे, तभी काल बनकर आए एक 10 चक्का ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त कि मौके पर ही थम गई सांसें

ट्रक और वैन की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन चकनाचूर हो गई। वैन में सवार 4 महिलाओं और एक पुरुष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस हादसे में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में 16 वर्षीय श्वेता नगरे , प्रभाकर चाचरकर और उनकी पत्नी मुन्नी चाचरकर साथ ही नयना नगरे और दुर्गा नगरे (मां बेटी) शामिल हैं। बताया जाता है जा रहा है कि घायलों में दुल्हे के रिश्तेदार भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, अडियाल निवासी सुदर्शन नान्हे का विवाह पास के कोंढा गांव संपन्न में हुआ था। शादी के बाद मेहमानों को वापस लाने के दौरान यह हादसा हुआ। शादी की खुशियों के बीच अचानक हुए हादसे से अड्याळ और ग्राम कोंढा कोसरा क्षेत्र में मातम पसर गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है।

तीसरी मुंबई पर थी अशोक खरात की नजर

जेल में रहते हुए की करोड़ों की डील! उरण जमीन घोटाले का बड़ा खुलासा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र को झकझोर देने वाले नाशिक यौन शोषण मामले में मुख्य आरोपी अशोक खरात के काले कारनामों की परतें अब जमीन के धंधों तक फैल चुकी हैं। ताजा खुलासे के अनुसार, खरात ने उरण तहसील के चाणजे इलाके में करोड़ों की जमीन महज कौड़ियों के दाम पर खरीदी थी। यह इलाका प्रस्तावित 'तीसरी मुंबई' का हिस्सा है, जिससे साफ है कि आरोपी की नजर भविष्य के बड़े रियल एस्टेट मुनाफे पर थी।

करोड़ों की जमीन का कौड़ियों के दाम सौदा

चाणजे की इस जमीन की वर्तमान बाजार कीमत करीब 3 से 4 करोड़ रुपए बताई जा रही है, लेकिन सौदा केवल 58.50 लाख रुपए में दर्ज किया गया। सूत्रों का कहना है कि 'तीसरी मुंबई' के रूप में तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में भविष्य में जमीन के दाम बढ़ने की संभावना को देखते हुए ही अशोक खरात ने यहां निवेश किया था।

गिरफ्तारी के दिन ही शुरू हुआ खेल

इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात तारीखों का खेल है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस दिन (17 मार्च) अशोक खरात को पुलिस ने गिरफ्तार किया, उसी दिन उरण स्थित इस जमीन के सौदे की नोटिस जारी की गई। आरोपी के पुलिस हिरासत में होने के बावजूद उसकी संपत्ति से जुड़ी प्रक्रिया का जारी रहना महज संयोग नहीं माना जा रहा है।

हिरासत में रहते हुए भी फेरफार मंजूर

सूत्रों के मुताबिक, अशोक खरात के पुलिस हिरासत में रहते हुए भी 13 अप्रैल को इस जमीन की फेरफार एंट्री को मंजूरी दे दी गई। आम नागरिकों को महीनों चक्कर लगाने पर मजबूर करने वाला राजस्व विभाग एक आरोपी के मामले में इतनी तेजी से कार्रवाई करने पर सवालों के घेरे में है।

जांच की तलवार लटकी

अशोक खरात के नाम पर नाशिक, सिन्नर और अब उरण में कई बेनामी संपत्तियां होने की बात सामने आ रही है। उरण की इस संदिग्ध डील और प्रशासनिक सहयोग को लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच की संभावना जताई जा रही है।

ढोंगी महेश गिरी गिरफ्तार

इसी बीच, नाशिक जिले के लासलगांव में भोंदू महेश गिरी उर्फ महेश दिलीप काकड़े को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर यौन शोषण और जादू-टोने से जुड़े अपराधों के आरोप हैं। पुलिस ने देर रात करीब डेढ़ बजे कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया।

आवासीय विद्यालय में दिव्यांग छात्र की पिटाई, दो के खिलाफ मामला दर्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ लातूर

लातूर जिले के एक सरकारी सहायता प्राप्त आवासीय विद्यालय में बौद्धिक रूप से दिव्यांग छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है, जिसके बाद एक शिक्षक और एक सुरक्षाकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अहमदपुर स्थित संत ज्ञानेश्वर मतिमंद आवासीय विद्यालय में हुई इस घटना का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आने के बाद मामला उजागर हुआ।

जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी संतोषकुमार नाइकवाडी ने अपनी पुलिस शिकायत में बताया कि उन्हें 18 अप्रैल को एक वीडियो प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल में एक छात्र की पिटाई दिख रही थी। जांच में पता चला कि 18 वर्षीय दिव्यांग छात्र के साथ शिक्षक चक्रधर गंगाधरराव शिंदे और चौकीदार राम तुकाराम जाधव द्वारा कथित रूप से मारपीट की गई।

पुलिस के अनुसार, शिंदे ने छात्र को पीटा, जबकि जाधव ने मारपीट के दौरान उसे पकड़कर रखा। जब अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ करने की कोशिश की, तो उन्होंने अपने फोन बंद कर लिए। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में इन नेताओं को टिकट नहीं देगी बीजेपी

30 नामों की लिस्ट दिल्ली भेजी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी विधान परिषद चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को मुंबई में हुई बीजेपी की बैठक में 30 नामों का चयन किया गया। सूत्रों के अनुसार इस सूची में माधवी नाईक, डॉ. उपेंद्र कोठेकर, मनोज कोटक, केशव उपाध्ये, रवी अनासपुरे, राजेश पांडे, दयाशंकर तिवारी, राम सातपुते, रणजीत सिंह निंबालकर, संजय काका पाटिल, विवेक कोल्हे, जगदीश मुलीक, प्रमोद जठार, संजय केणेकर, अर्चना पाटिल चाकूरकर, दादाराव केचे और संजय भेंडे जैसे नाम शामिल हैं। यह सूची पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को दिल्ली भेज दी गई है। हालांकि, बीजेपी के दिल्ली स्थित नेतृत्व द्वारा उम्मीदवारों के चयन में एक अहम शर्त लागू किए जाने की संभावना है, जिससे कई संभावित उम्मीदवारों की दावेदारी खत्म हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव हार चुके नेताओं को विधान परिषद में मौका न देने का फैसला किया है। इसके बजाय संगठन में काम कर रहे नए चेहरों और जातीय संतुलन साधने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उम्मीदों पर फिर जाएगा पानी!

इस फैसले से लोकसभा और विधानसभा चुनाव हार चुके नेताओं को बड़ा झटका लग सकता है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जो लोग जनता के बीच से चुनाव जीतकर नहीं आ पाते, उनका पिछले दरवाजे से राजनीतिक पुनर्वास करना उचित नहीं है। इससे कई स्थापित और बड़े नेताओं की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। महाराष्ट्र विधान परिषद की 10 सीटों के लिए 12 मई को चुनाव होने हैं। कांग्रेस की प्रज्ञा सातव के इस्तीफे से एक सीट खाली हुई थी। इस सीट पर बीजेपी प्रज्ञा सातव को ही उम्मीदवार बना सकती है। आगामी चुनाव के लिए कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई प्रज्ञा सातव की उम्मीदवारी लगभग तय मानी जा रही है। कुल 9 सीटों में से बीजेपी के खाते में 5 सीटें आ सकती हैं। इनमें से एक सीट प्रज्ञा सातव को मिलने पर बाकी सीटों के लिए मुकाबला होगा। अगले 4-5 दिनों में बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व इस पर अंतिम फैसला ले सकता है। उम्मीदवार चयन में 'चौंकाने वाले फैसले' की भी संभावना जताई जा रही है।

किसान को लगा ऐसा सदमा

केले के पौधों पर ट्रैक्टर दौड़ाया, उजाड़ दिया खेत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

धाराशिव जिले से एक दिल झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। बाजार में उचित दाम न मिलने से परेशान एक किसान ने अपनी पूरी तैयार फसल ही नष्ट कर दी। भूम तहसील के ईट गांव के रहने वाले किसान अशोक हुंबे ने व्यापारियों द्वारा बेहद कम कीमत की पेशकश से नाराज होकर करीब ढाई एकड़ में खड़ी केले की फसल पर कटर चला दिया। जानकारी के मुताबिक, किसान ने करीब ढाई एकड़ जमीन पर लगभग ढाई हजार केले के पौधे लगाए थे। महीनों की मेहनत के बाद फसल पूरी तरह तैयार हो चुकी थी। जब बाजार में इसे बेचने की बारी आई, तो व्यापारियों ने लागत से भी कम दाम की पेशकश की। ऐसे में किसान के सामने या तो घाटे में फसल बेचने या फिर उसे नष्ट करने का कठिन विकल्प था।

कम कीमत मिलने से परेशान हो गया था किसान

बताया जा रहा है कि व्यापारियों द्वारा दी जा रही कीमत इतनी कम थी कि उससे खेती में लगी लागत भी नहीं निकल पा रही थी। लगातार घटते दाम और कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण किसान मानसिक रूप से परेशान हो गया था। अंत में उसने हताश होकर पूरी फसल को काटकर खत्म करने का फैसला लिया।

कितने का हुआ नुकसान?

इस फैसले से किसान को करीब 5 लाख रुपए का सीधा नुकसान हुआ है। यह घटना एक बार फिर किसानों की उस बदहाली को उजागर करती है, जहां मेहनत के बावजूद उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। बाजार व्यवस्था और बिचौलियों के दबाव के कारण किसान अक्सर नुकसान उठाने को मजबूर हो जाते हैं। स्थानीय स्तर पर यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे किसानों की समस्याओं का एक गंभीर मामला मान रहे हैं।

व्हाट्सऐप से अश्लील मैसेज भेजकर युवती को किया परेशान, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के आग्रीपाड़ा इलाके में एक 19 वर्षीय युवती को व्हाट्सऐप के जरिए लगातार अश्लील मैसेज, वीडियो और कॉल कर परेशान करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, पीड़िता ने अपने परिवार के साथ आग्रीपाड़ा स्थित बाळ हनुमान नगर में रहती है। उसके पिता दूध का व्यवसाय करते हैं। युवती ने फरवरी 2026 में महालक्ष्मी स्थित एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में टेलीकॉलर के रूप में काम शुरू किया था। जहां उसकी कुछ सहकर्मियों से पहचान हुई थी। हालांकि, साइट बंद होने के कारण उसने 15 दिनों में ही नौकरी छोड़ दी थी।

क्या है पूरा मामला

पीड़िता के मुताबिक, 21 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 11:15 बजे उसे एक अनजान नंबर से व्हाट्सऐप पर मैसेज और कॉल आया। पूछताछ करने पर आरोपी ने खुद को 'अशरफ हूं, पिरामल वाला' बताया। इसके बाद आरोपी ने लगातार युवती को क्यूट कहकर मैसेज करना शुरू किया और व्हाट्सऐप कॉल पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी ने युवती पर प्रेम संबंध बनाने और लॉज पर मिलने का दबाव डाला। इतना ही नहीं, उसने अश्लील बातें करते हुए यौन संबंध की मांग भी की, जिसे युवती ने सख्ती से ठुकरा दिया। युवती ने आरोपी की बातचीत का ऑडियो रिकॉर्ड भी किया है।

कॉल और मैसेज कर आरोपी ने युवती को किया परेशान

आरोप है कि 22 अप्रैल को भी आरोपी ने लगातार कॉल और मैसेज कर परेशान किया और कुछ लड़कियों की तस्वीरें भेजी और दावा किया कि उसने उन सब के साथ सेक्स किया है। साथ ही आरोपी ने आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भेजकर युवती को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। पीड़िता में दावा किया कि मैंने आरोपी से कहा कि वो हिन्दू है जिसपर उसने कहा की "आज कल हिन्दू लड़कियों को मुस्लिम लड़के पसंद है। पीड़िता ने अपनी सहेलियों से बात की, तो उन्होंने भी बताया कि आरोपी ने उन्हें भी इसी तरह के मैसेज भेजे थे। जिसके बाद उन्होंने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था।

हिंदमाता एंकर: ट्रंप पर राज्यसभा सांसद संजय राऊत का निशाना

'पीएम मोदी, अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस को...'

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राऊत ने ट्रंप को लेकर पीएम मोदी, अमित शाह और सीएम फडणवीस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जयशंकर और हमारे राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपनी राय व्यक्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी सरकार आने के बाद इस देश को नरक बना दिया गया है, तो इसका मतलब है कि इस देश के 140 करोड़ लोगों को पीएम मोदी ने नरक में धकेल दिया है। मेरे मित्र डोनाल्ड ने कड़वा सच सामने रखा है।

यह देश नरक नहीं बल्कि स्वर्ग है

संजय राऊत ने कहा कि पीएम मोदी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी चाहिए और यह घोषित करना चाहिए कि यह देश नरक नहीं बल्कि स्वर्ग है। वहीं उन्होंने विधान परिषद पर कहा कि उद्धव ठाकरे ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है। हर्षवर्धन सकपाल मातोश्री पहुंचे। भविष्य की कई राजनीतिक घटनाओं, लोकसभा और चुनावों को लेकर महाविकास आघाड़ी के रूप में चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि विधान परिषद को लेकर भी यही भूमिका है कि वहां उद्धव ठाकरे को जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर और महाविकास आघाड़ी के विधायकों के लिए यह राहत देने वाला होगा। उन्होंने कहा कि सुप्रिया सुले ने भी कहा कि उद्धव ठाकरे को महाविकास आघाड़ी का विधिमंडल में नेतृत्व करना चाहिए। सांसद ने कहा कि उद्धव ठाकरे को मनाने की कोशिश की जा रही है, अब आगे का फैसला उनका होगा। विजय वड्डेटीवार ने भी कहा कि और भी इच्छुक हो सकते हैं। इच्छा कोई भी जता सकता है, इसमें क्या है। हम सभी उद्धव ठाकरे को मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऑटो रिक्शा में मराठी अनिवार्यता पर क्या कहा?

ऑटो रिक्शा में मराठी भाषा अनिवार्य करने पर कहा कि मराठी भाषा का विरोध एकनाथ शिंदे के गुट की ओर से हो रहा है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की भूमिका महाराष्ट्र के हित में है। जो लोग इस निर्णय का विरोध करेंगे, वे मराठी और महाराष्ट्र के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी का विरोध करके लोग यहां कैसे रह सकते हैं? महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में आपको मराठी आनी ही चाहिए। वहीं उन्होंने नारी शक्ति वंदन पर बोलते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन एक दिखावा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर किसी महिला को बैठाइए, पंकजा मुंडे को बनाइए। प्रधानमंत्री पद पर भी महिला को बैठाइए, तभी नारी शक्ति को वास्तविक बल मिलेगा।

ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से बड़ा हादसा टला

कार से पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के अंटॉप हिल ट्रैफिक पुलिस ने बहादुरी और सतर्कता का परिचय देते हुए संदिग्ध कार का पीछा कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। हेड कॉन्स्टेबल प्रभाकर पवार और कॉन्स्टेबल शरद आवाड ने काली फिल्म लगी संदिग्ध कार को देखते ही उसका पीछा शुरू किया। पुलिस ने करीब 500 मीटर तक पीछा करने के बाद कार को रोकने में सफलता हासिल की। तलाशी के दौरान कार से एक पिस्तौल और 8 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने घटना में त्वरित कार्रवाई की है।

दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

मौके पर ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक आरोपी फरार होने में कामयाब रहा। ट्रैफिक पुलिस से मिली सूचना के आधार पर वडाला टीटी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला अपने हाथ में लिया और संदिग्ध कार को जब्त कर लिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पुणे के निवासी हैं। उनके पास हथियार मिलने से किसी बड़ी वारदात की आशंका जताई जा रही है। पुलिस इस मामले में सुपारी किलिंग के एंगल से भी जांच कर रही है। ट्रैफिक पुलिस और वडाला ट्रक टर्मिनस पुलिस की सतर्कता के चलते बड़ी घटना टलने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस कर रही आरोपियों से पूछताछ

फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके मकसद को लेकर गहन जांच की जा रही है। पुलिस इस संदिग्ध कार की भी जांच कर रही है। साथ ही घटना के पीछे की साजिश का पता चलाया जा रहा है। पुलिस के इस एक्शन से इलाके में बड़ी घटना होने से बच गई। पुलिस द्वारा इस घटना के पीछे की हर एंगल से जांच की जा रही है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। साथ ही अधिकारियों ने आनन-फानन में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रशासन द्वारा हर चीज की निगरानी की जा रही है।

विचार प्रवाह

एक युद्धबंदी वो व्यक्ति होता है जो तुम्हें मारना चाहता है, पर मार नहीं पाता और फिर तुमसे कहता है कि उसे मत मारो।
- विंस्टन चर्चिल

संपादकीय

आधी आबादी का गिरफ्त में आना चिंताजनक

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों को जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुकूल नहीं है। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले-भुने खाने ने मोटापे को बढ़ावा है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ता है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है। हमने जबसे खाने में पारंपरिक पौष्टिकता के बजाय स्वाद को प्राथमिकता देनी शुरू कर दी, तभी से शरीर में जरूरी विटामिनों की कमी बढ़ी है। प्रदूषित खान-पान की भी इस संकट में भूमिका है। वहीं सहज-सरल व्यवहार हमारे स्वस्थ होने की गारंटी है।

आज का इतिहास

■ 2020 - देश में कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ कर 779 पहुंची, संक्रमण के मामले बढ़ कर 24,942 हो गये।

■ 2015 - नेपाल में भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचाई। राजधानी काठमांडू के नजदीक आए इस भूकंप से जानमाल का बड़ा नुकसान हुआ।

■ 2013 - ब्रिटेन ने सोमालिया में अपना दूतावास 27 वर्ष के बाद दोबारा खोला।

■ 2010 - भारतीय नौसेना ने पुराने हो चुके चेतक हेलीकाप्टरों की जगह नए लाइट यूटिलिटी हेलीकाप्टर (एलयूएच) खरीदने की प्रक्रिया शुरू की।

■ 2008- बालीवुड के प्रसिद्ध कलाकार व निर्देशक आमिर खान को सिनेमा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान का विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

■ 2007 - विरला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज का नया परिसर पनामा (बहरीन) में खुला।

■ 2004 - जिम्बाब्वे ने श्रीलंका के खिलाफ एक दिवसीय मैचों में न्यूनतम 35 रनों का रिकार्ड बनाया। यूनानी साइप्रस ने एकीकरण योजना ठुकराई। चीन में सार्स की बीमारी एक बार फिर से फैलने की पुष्टि हुई।

■ 2003 - फिलिस्तीन में नये मंत्रिमंडल के गठन पर सहमति होने के साथ ही अमेरिका समर्थित शांति योजना का रास्ता साफ।

■ 1999 - वेस्टइंडीज के आल राउंडर खिलाड़ी कार्ल हूपर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास की घोषणा, वाशिंगटन में तीन दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन समाप्त, इस्रायल के राष्ट्रपति आईजर विजमैन चीन की सात दिवसीय राजकीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे।

■ 1989 - इथियोपिया में दिमागी बुखार से 20 हजार से ज्यादा लोगों की मौत। यह बीमारी सूडान तक फैली और वहां भी कम से कम 400 लोगों की मौत।

■ 1983 - जर्मनी की पत्रिका 'स्टर्न' ने हिटलर की उस विवादास्पद डायरी को छापना शुरू किया, जिसे उन्होंने कथित रूप से दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान कलमबद्ध किया था। डायरी की प्रामाणिकता पर कई सवाल उठाए गए।

■ 1982 - दिल्ली में टेलीविजन पर पहली बार रंगीन प्रसारण की शुरुआत हुई।

■ 1981 - जापान के सुरुगा में एक परमाणु संयंत्र में मरम्मत कार्य के दौरान 100 से अधिक मजदूर परमाणु विकिरण का शिकार हुए।

■ 1975 - सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।

आधुनिकीकरण की राह पर रेलवे

नई तकनीक और सुधारों से बढ़ी रफ्तार, सुरक्षा और विश्वसनीयता

रेल नेटवर्क की आधारशिला और उसकी चुनौतियां

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। ये ट्रेनें रोजाना दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किमी से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। यह व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी ट्रेन की गति को प्रभावित कर सकती है।

आधुनिकीकरण की शुरूआत और व्यापक प्रयास

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल रहे हैं। इन प्रयासों ने रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।

पटरियों का नवीनीकरण और तकनीकी उन्नयन

■ 2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं।

उन्नत जांच तकनीक और सुरक्षा में सुधार

■ जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

मशीनों का बढ़ता उपयोग और रखरखाव में बदलाव

■ भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एकसमान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी मजबूत बनाए रखने का काम करती है। पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किमी से ज्यादा रेल ढांचे की ग्राइंडिंग की गई है।

सुरक्षा उपाय और तेज रफ्तार की तैयारी

■ इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए उनके रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। इस क्रम में सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किमी तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं।

स्विच, स्लीपर और संरचना में मजबूती

■ जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रासिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है। रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है। 130 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ छह प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है।

हादसों में कमी और बढ़ती विश्वसनीयता

■ तमाम सुधार अपना असर भी दिखा रहे हैं। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। 12 साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है।

डिजिटल सिस्टम और भविष्य की दिशा

■ रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं। अब रेलवे ने एक नई आनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम यानी टीएमएस कहा जाता है। इसमें पटरी की जांच, ट्रेन के सफर की गुणवत्ता और पटरी की हालत से जुड़ी सारी जानकारी एक जगह मिल जाती है। इससे रेलवे को जल्द समझ आ जाता है कि कहां काम करने की जरूरत है। लाखों यात्रियों और रेल माल ढुलाई पर निर्भर कारोबारों के लिए इन बदलावों का बड़ा असर पड़ा है। अब यात्रा का समय घटा है और रेलवे नेटवर्क पहले से ज्यादा भरोसेमंद बना है। अभी तक की प्रगति दर्शाती है कि निरंतर मेहनत और निवेश से कितना बड़ा बदलाव संभव है।

राजस्थान कांग्रेस में खेल अभी बाकी है मेरे दोस्त...

● गहलोत-पायलट की मुलाकात ने बदले सियासी संकेत, डोटासरा पर बढ़ा दबाव

निरंजन परिहार @ मुंबई

सियासत में मुस्कानें कभी-कभी शब्दों से ज्यादा बोलती हैं। संकेत मौन से ज्यादा मुखरित होते हैं। और इशारे अक्सर नई कहानी कहते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत और उप मुख्यमंत्री रहे सचिन पायलट जब पद के बिना आमने-सामने आए, तो हाथ सिर्फ मिले नहीं, ठहरे। मुस्कानें सिर्फ दिखी नहीं, टिकी रहीं। और बोल सिर्फ फूटे नहीं, सियासत के संकेतों की नई भाषा गढ़ने लगे। सियासी संकेतों की बिना किसी लिपि की इस अलिखित भाषा ने कांग्रेस में कईयों को सहमने के संकेत दे दिए हैं। सियासत में इस बार सहमने की बारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की है, जो गहलोत की मेहरबानियों से ही पद और कद दोनों में बड़े बने हैं। मगर इन गिनों नई चाल चलने में व्यस्त दिख रहे हैं।

मुलाकात में छिपे राजनीतिक संदेश

नई दिल्ली के कांग्रेस मुख्यालय में अशोक गहलोत और सचिन पायलट की यह मुलाकात साधारण नहीं थी। यह तस्वीरों से ज्यादा संदेशों की मुलाकात थी। कांग्रेस के ये दोनों नेता अपनी पार्टी की ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस मुलाकात के बहाने, राजस्थान की राजनीति के कई बंद दरवाजों पर दस्तक दी गई। कार से उतरने से पहले, जब पायलट ने गहलोत को रिसीव किया, तो वह स्वागत कम और संकेत ज्यादा था। और जब गहलोत ने मुस्कुराकर लोगों की तरफ देखते हुए कहा कि 'देख लो, हमारी कितनी बनती है', तो यह संवाद कम, अगली सियासी पटकथा का सधा हुआ संवाद अधिक लगा।

निरंजन परिहार
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

बदलते समीकरण और चुनावी बिसात

राजस्थान की राजनीति में गहलोत और पायलट, दोनों नेताओं के रिश्ते किसी सीधी रेखा की तरह नहीं, बल्कि टेढ़े-मेढ़े वक्र की तरह रहे हैं। कभी पास, कभी दूर। कभी साथ, कभी आमने-सामने। कभी विरोध तो कभी धुर विरोध के। मिले तो दोनों पहले भी कई बार हैं। तारीफ दोनों ने पहले भी एक दूजे की, की है। लेकिन इस बार की नजदीकी में एक अलग किस्म की सियासी गूंज सुनाई दे रही है। दरअसल, चुनावी कैलेंडर अपनी रफ्तार पकड़ चुका है। ढाई साल-सुनने में लंबा, लेकिन सियासत में यह पलक झपकने जितना छोटा समय होता है। ऐसे में हर मुस्कान, हर मुलाकात और हर इशारा भविष्य की बिसात पर एक खास चाल बन जाता है।

महत्वाकांक्षा, अनुभव और त्रिकोणीय संघर्ष

अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव के रूप में अपनी सफल पारी खेल रहे सचिन पायलट की महत्वाकांक्षा अब किसी रहस्य की मोहताज नहीं। वह कांग्रेस के राजस्थान संगठन में वापसी चाहते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी उन्हें सिर्फ पद नहीं लगती, वे उसे नेतृत्व का प्रवेशद्वार मानते हैं। पिछली बार जो सपना अधूरा रह गया था, इस बार उसे पूरा करने की बेचैनी उनके हर कदम में झलकती है। और यह गलत भी नहीं है। क्योंकि सियासत में हर समझदार आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षा से सदा सज्ज रहता है। वहीं अशोक गहलोत सियासत में अनुभव के उस शिखर पर खड़े हैं, जहां हर कदम नाप-तोल वाला होता है। गहलोत जानते हैं कि राजनीति में सिर्फ वर्तमान नहीं, भविष्य की आहट भी सुनी जाती है। इसलिए उनकी सक्रियता अब नए रंगों में दिख रही है, संयमित, लेकिन सजग। इन दोनों के बीच खड़े हैं गोविंद सिंह डोटासरा। न पूरी तरह इधर, न पूरी तरह उधर। लेकिन अध्यक्ष पद पर बने रहने की फिराक में। छह साल का कार्यकाल, और अगला चुनाव अपने नेतृत्व में लड़ने की आकांक्षा। ये दोनों उन्हें इस त्रिकोणीय सियासी संघर्ष का अहम किरदार बना देते हैं।

डोटासरा की रणनीति और बढ़ता टकराव

कांग्रेस में डोटासरा का खेल अलग लग रहा है। पायलट की मंशा को बांकर वह मैदान छोड़ने के मूड में नहीं। खुद को पद पर बनाए रखने की लालसा में उन्होंने सारे घोड़े खोल दिए हैं। खुद तो कुछ नहीं कर रहे, लेकिन सोशल मीडिया पर समर्थकों का आक्रामक रुख, तेज चल रहा हैं। पायलट और गहलोत दोनों को आरएसएस का एजेंट बताने की कोशिश का यह आलम बताता है कि यह लड़ाई अब केवल पद की नहीं, प्रतिष्ठा की भी है। हालांकि, इस अभियान की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं, और यही सवाल इसे सियासी शोर ज्यादा, रणनीति कम बना देते हैं। ऐसे में गहलोत और पायलट की यह मुलाकात एक तीसरा कोण पैदा करती है। क्या यह स्वागत, मुलाकात और एकता की बात सिर्फ औपचारिकता थी? या फिर एक साझा संदेश? या फिर एक दबाव की रणनीति?

संभावनाएं और भविष्य के संकेत

संभावनाएं कई हैं। पहली यह हाईकमान को संदेश हो सकता है कि दोनों नेता अब टकराव से ज्यादा तालमेल की राह पर हैं। दूसरी यह डोटासरा को संकेत हो सकता है कि सियासत में समीकरण बदलते देर नहीं लगती। तीसरी यह कार्यकताओं के लिए एक मनोवैज्ञानिक खेल हो सकता है, जिससे भ्रम और संतुलन दोनों बनाए रखा जा सके। सियासत में तस्वीरें अक्सर कहानी का पहला पन्ना होती हैं, पूरा अध्याय नहीं। यह मुलाकात भी वैसी ही है। मुस्कानें जितनी सहज दिखीं, उतनी ही सजग भी थीं। हाथ मिलाना जितना स्वाभाविक लगा, उतना ही रणनीतिक भी। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि इस मुलाकात से राजस्थान कांग्रेस की तस्वीर बदल जाएगी। लेकिन इतना तय है कि इसने चर्चा का नया दरवाजा खोल दिया है। और सियासत में कभी-कभी दरवाजे खुलना ही सबसे बड़ा संकेत होता है। क्योंकि यहां शब्द कम, संकेत ज्यादा चलते हैं। और इस बार संकेत साफ है कि राजस्थान की सियासत में खेल अभी बाकी है।

प्रेरक प्रसंग

कर्म का महत्व

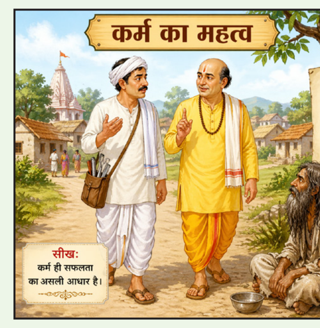

एक छोटे से गांव में एक नाई और एक पंडित रहते थे। आसपास के कई गांवों में इनके अलावा न तो कोई नाई था और न ही कोई पंडित। इसलिए किसी भी शादी-ब्याह, पूजा-पाठ या अन्य आयोजन में लोगों को इन्हीं दोनों को बुलाना पड़ता था। अक्सर ऐसा होता कि दोनों एक साथ ही अलग-अलग गांवों में जाते और अपना काम करते। इसी साथ आने-जाने के कारण दोनों में गहरी दोस्ती हो गई थी। नाई स्वभाव से जिज्ञासु था। जब भी उसे मौका मिलता, वह पंडित से तरह-तरह के सवाल पूछता, और पंडित भी धैर्यपूर्वक उसके हर सवाल का उत्तर देता। एक दिन दोनों किसी समारोह से लौट रहे थे। रास्ता लंबा था, इसलिए बातें करते-करते वे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। चलते-चलते नाई अचानक गंभीर हो गया और बोला, 'पंडितजी, दुनिया में इतने लोग दुखी क्यों हैं? किसी को नौकरी नहीं मिल रही, कोई भूखा है, तो किसी के पास रहने को घर नहीं है। क्या भगवान को यह सब दिखाई नहीं देता? पंडित ने उसकी बात सुनी, लेकिन तुरंत कोई उत्तर नहीं दिया। वे दोनों चुपचाप आगे बढ़ते रहे। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें रास्ते में एक भिखारी दिखाई दिया। उस भिखारी के बाल और दाढ़ी बहुत बढ़े हुए थे, और वह बेहद असहाय लग रहा था। पंडित ने उस भिखारी की ओर इशारा करते हुए नाई से कहा, 'तुम तो नाई हो, तुम्हारा काम है लोगों के बाल और दाढ़ी ठीक करना। इसके बाल इतने बढ़ गए हैं, फिर भी तुमने इसकी मदद नहीं की। तुम्हारे होने का क्या फायदा? नाई ने थोड़ी हैरानी से जवाब दिया, 'पंडितजी, यह मेरे पास आएगा तभी तो मैं इसके बाल काटूंगा। मैं खुद जाकर तो नहीं कर सकता, जब तक यह खुद न चाहे। पंडित मुस्कुराए और बोले, 'बस, यही बात मैं तुम्हें समझाना चाहता था।

■ जैसे यह भिखारी खुद तुम्हारे पास आए बिना अपनी हालत नहीं सुधार सकता, वैसे ही इंसान भी अपने दुखों से तभी बाहर निकल सकता है, जब वह खुद कुछ प्रयास करे। उन्होंने आगे कहा, 'भगवान हर किसी की मदद करने को तैयार रहते हैं, लेकिन पहले इंसान को खुद अपने कर्म करने पड़ते हैं। जो लोग मेहनत और लगन से काम करते हैं, वही धीरे-धीरे अपनी परेशानियों से बाहर निकलते हैं और सफलता की ओर बढ़ते हैं।

■ जो केवल शिकायत करते हैं और कुछ नहीं करते, वे हमेशा दुखी ही रहते हैं। नाई को पंडित की बात समझ में आ गई। उसने सिर हिलाकर सहमति जताई और मन ही मन ठान लिया कि अब वह भी हर बात को कर्म के नजरिए से समझेगा। सीख: जीवन में सफलता और सुख का आधार केवल कर्म है। बिना प्रयास के कोई भी समस्या दूर नहीं होती।

राशिफल

मेष- आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ-पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मिथुन- वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कर्क-आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं, लाभ होगा।

सिंह- मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी।

कन्या- काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला-आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक-व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है।

धनु- सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। सफलता के साधन जुटेंगे। जोखिम न उठाएं।

मकर-किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें।

कुंभ- ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन-किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

पहले चरण के मतदान ने सत्ताधारी दल की नींदे उड़ाई

आरजी कर मामले पर पीएम बोले- दोषियों को मिलेगी सजा

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक बहुत बड़ा और कड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आरजी कर अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस की साजिश में शामिल किसी भी रसूखदार या अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने जनता को भरोसा दिलाया है कि अगले महीने जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, तो हर एक अपराधी को खोजकर उसे सजा दी जाएगी। यह खबर बंगाल के उन सभी आम लोगों के लिए बहुत बड़ी उम्मीद है जो लंबे समय से इस दर्दनाक मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं। यह वही पानीहाटी इलाका है जहां अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जान गंवाने वाली महिला डॉक्टर का पुराना घर है। इस चुनाव में भाजपा ने उसी पीड़ित महिला डॉक्टर की मां स्वप्ना देबनाथ को इस सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। मोदी ने कहा कि स्वप्ना देबनाथ ने अपनी बेटी को देश की सेवा करने के लिए डॉक्टर बनाने में जीवन भर संघर्ष किया, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के कुशासन वाले जंगलराज में उनकी बेटी छिन गई। उन्होंने वादा किया कि 4 मई को चुनाव के नतीजे आने के बाद हर जुल्म का हिसाब होगा।

क्या घुसपैठियों के कारण बंगाल के युवाओं का रोजगार छिन रहा है?

प्रधानमंत्री ने मौजूदा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस सरकार ने बंगाल की पहचान को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। राज्य में लगातार घुसपैठियों को लाया जा रहा है और उन्हें यहां बसाया जा रहा है। ये घुसपैठिए बंगाल की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और यहां के स्थानीय लोगों का रोजगार छीन रहे हैं। एक तरफ सरकार का भारी भ्रष्टाचार है और दूसरी तरफ घुसपैठियों का जुल्म है। इस कारण से बंगाल के युवाओं को नौकरी की तलाश में अपने घर छोड़कर बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य में कोई नया निवेश नहीं आ रहा है और पुरानी फैक्ट्रियां भी बंद होकर दूसरी जगह जा रही हैं।

क्या दलितों और वंचितों तक केंद्र की योजनाएं नहीं पहुंच रही हैं?

जादवपुर और दक्षिण 24 परगना में रहने वाले दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि यहां बड़ी संख्या में हमारे ये भाई-बहन रहते हैं। केंद्र सरकार इन वर्गों के लिए बहुत सारी अच्छी योजनाएं चलाती है, लेकिन बंगाल की मौजूदा सरकार दलितों और वंचितों के खिलाफ है। वह केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ इन गरीब लोगों तक नहीं पहुंचने देती है। मोदी ने जनता को भरोसा दिया कि 4 मई के बाद जब भाजपा की एक मजबूत सरकार बनेगी, तो बंगाल की ये सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। तब अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को केंद्र की सभी योजनाओं का पूरा फायदा मिलने लगेगा।

क्या बंगाल में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित हैं?

रैली में पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके हकों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के राज में बेटियां बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन जब भाजपा की सरकार आएगी, तो कोई भी रेपिस्ट या अपराधी सुरक्षित नहीं बचेगा। महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर मातृ शक्ति भरोसा कार्ड बांट रहे हैं। इस कार्ड के जरिए हर बहन को हर महीने 3000 रुपए यानी साल भर में 36,000 रुपए देने का पक्का वादा किया जा रहा है। मोदी ने यह भी याद दिलाया कि कैसे सत्ताधारी पार्टी ने संसद में महिला आरक्षण का विरोध किया था, जबकि पूरा देश चाहता है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़े।

क्या जादवपुर में सिंडिकेट और अवैध कब्जों का राज चल रहा है?

प्रधानमंत्री ने जादवपुर इलाके की खराब हालत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जादवपुर में विकास को सिंडिकेट ने अपना कैदी बना लिया है। रेत, ईंट और सीमेंट की सप्लाई पर कुछ खास लोगों का कब्जा है। यहां अवैध खनन के मामले बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। जो लोग खुद को जादवपुर का शुभचिंतक कहते हैं, वही लोग जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। अगर कोई आम आदमी अपनी जमीन पर घर बनाना चाहता है, तो उसे सिंडिकेट को गुंडा टैक्स देना पड़ता है। जादवपुर यूनिवर्सिटी, जिसे पूरी दुनिया में सम्मान मिलता था, आज वहां पढ़ाई की जगह दीवारों पर देश विरोधी बातें लिखी जा रही हैं और छात्रों को सड़क पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

क्या पहले चरण के चुनाव ने सत्ताधारी पार्टी की नींद उड़ा दी है?

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल आज 15 साल के 'महाजंगलराज' से परेशान है, जिसमें बहुत खून बहाया गया है। लेकिन अब एक नई क्रांति शुरू हो गई है। गुरुवार को 152 सीटों पर हुए पहले चरण के मतदान ने सत्ताधारी पार्टी को डरा दिया है। चुनाव हारने के डर से वे हताश होकर गुंडों को भड़का रहे हैं। मोदी ने कहा कि बंगाल के इतिहास में पहली बार ऐसा भारी मतदान हुआ है। आज नाविक से लेकर सरकारी कर्मचारी और पुलिस अधिकारी तक, हर कोई बदलाव के लिए भाजपा पर भरोसा कर रहा है और 'पल्टानो दोरकार' (बदलाव चाहिए) कह रहा है। मोदी ने अपील की कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान में लोग 'विकसित बंगाल' के लिए वोट करें और भ्रष्ट सरकार को पूरी तरह से हराएं।

15 साल की बच्ची को गर्भपात की इजाजत: सुप्रीम कोर्ट

कहा- डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते

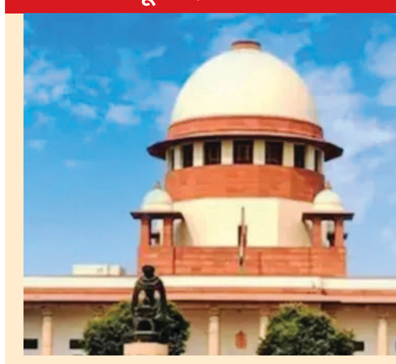

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि कोई भी कोर्ट किसी महिला, खासकर नाबालिग को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। यह टिप्पणी उस समय आई जब 15 साल की एक बच्ची, जो सात महीने से अधिक समय से गर्भवती थी ने मेडिकल टर्मिनेशन की अनुमति मांगी। न्यायाधीश बीवी नागरत्ना और उज्जल भूयान की बेंच ने इस मामले को बेहद संवेदनशील नजरिये से देखते हुए कहा कि गर्भवती महिला की इच्छा और उसका निर्णय सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, न कि उस बच्चे का जिसे अभी जन्म लेना है।

संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर किसी महिला को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन होगा। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्ति को अपनी जिंदगी और निजी स्वतंत्रता का अधिकार मिला हुआ है, जिसमें अपने शरीर से जुड़े फैसले लेने का अधिकार भी शामिल है। अदालत ने जोर देकर कहा कि यह अधिकार खासकर तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब मामला नाबालिग और अनचाही गर्भावस्था से जुड़ा हो।

अनचाही गर्भावस्था थोपना मानसिक विनाश का कारण

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी बताया कि ऐसी परिस्थितियों में गर्भावस्था जारी रखना नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई, सामाजिक स्थिति और उसके पूरे भविष्य पर गंभीर असर डाल सकता है। अदालत ने कहा कि किसी को यह कहना आसान होता है कि अगर महिला बच्चा नहीं पालना चाहती तो उसे गोद दे सकती है, लेकिन यह तर्क पूरी तरह से असंवेदनशील और अव्यवहारिक है। अनचाहे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करना, महिला के हितों को नजरअंदाज करना है और उसके जीवन को दूसरे दर्जे पर रखना है। अदालत ने चेतावनी भी दी कि अगर कोर्ट ऐसे मामलों में राहत देने से इनकार करेगा, तो लोग मजबूर होकर गैरकानूनी और खतरनाक तरीकों का सहारा लेंगे, जिससे महिलाओं की जिंदगी और ज्यादा खतरे में पड़ जाएगी। इस मामले में यह भी सामने आया कि 15 साल की इस बच्ची ने दो बार अपनी जिंदगी खत्म करने की कोशिश की थी, जो यह दिखाता है कि वह किस मानसिक दबाव से गुजर रही थी।

CEC ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एकजुट हुआ विपक्ष

राज्यसभा में दिया नोटिस; 73 सांसदों का समर्थन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी पार्टियों ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक नया नोटिस दिया। इस नोटिस में ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने की मांग रखी गई है। इस नोटिस पर 73 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त पर साबित दुर्व्यवहार के आधार पर नौ आरोप हैं। जयराम रमेश ने ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने को संविधान पर हमला बताया।

TMC ने भी CEC को हटाने की रखी मांग

तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसद और प्रवक्ता डेरेक ओ'ब्रायन ने सोमवार को कहा था कि विपक्ष CEC के खिलाफ अतिरिक्त आरोपों के साथ एक नया महाभियोग प्रस्ताव लाएगा। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए ओ'ब्रायन ने कहा कि 19 राजनीतिक पार्टियों और लगभग 300 सांसदों ने पहले CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। आने वाले दिनों में, अतिरिक्त आरोपों के साथ एक नया महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा।

CEC को हटाने के लिए एकजुट हुआ विपक्ष

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राज्यसभा में 73 विपक्षी सांसदों ने अभी-अभी महासचिव को एक नया प्रस्ताव नोटिस सौंपा है। इसमें भारत के राष्ट्रपति को एक संबोधन पेश करने की मांग की गई है, जिसमें भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की प्रार्थना की गई है। जयराम रमेश ने आगे लिखा कि इसका आधार 'साबित दुर्व्यवहार' है, जिसमें 15 मार्च 2026 को और उसके बाद किए गए कार्य और चूक शामिल हैं। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) (अनुच्छेद 124(4) के साथ पढ़ा जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के दायरे में आता है। कांग्रेस नेता ने बताया कि अब CEC के खिलाफ नौ खास आरोप हैं, जिन्हें बहुत विस्तार से दस्तावेजों में दर्ज किया गया है और जिन्हें नकारा या छिपाया नहीं जा सकता। उनका पद पर बने रहना संविधान पर हमला है। यह बेहद शर्मनाक है कि यह व्यक्ति अभी भी अपने पद पर बना हुआ है और प्रधानमंत्री-गृह मंत्री के इशारों पर काम कर रहा है।'

विधानसभा को बम धमकी पर अशोक गहलोत का हमला

बोले- अपराधी कानून व्यवस्था का उड़ा रहे मजाक

हिंदमाता नेटवर्क @ जयपुर

जयपुर में राजस्थान विधानसभा को मिली ताजा बम धमकी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था का जिस तरह मजाक उड़ाया जा रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

विधानसभा को मिला धमकी भरा ईमेल

शुक्रवार को विधानसभा में आत्मघाती हमले की चेतावनी वाला एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर में गहन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

दो सप्ताह से कम समय में दूसरी घटना

यह दो सप्ताह से भी कम समय में इस तरह की दूसरी धमकी बताई गई है। विधानसभा को उड़ाने की धमकी मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई थीं।

गहलोत बोले- सामान्य घटना नहीं

अशोक गहलोत ने बयान जारी कर कहा कि विधानसभा को बार-बार उड़ाने की धमकियां मिलना कोई सामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले भी इसी प्रकार की धमकी मिली थी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

लोकतंत्र के मंदिर को निशाना बनाने पर जताई चिंता

विधानसभा जैसे लोकतंत्र के मंदिर को बार-बार निशाना बनाया जाना यह दिखाता है कि अपराधियों के हौसले कितने बढ़ चुके हैं। गहलोत ने कहा कि इस तरह की घटनाएं कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता बढ़ाती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय को भी कई बार बम धमकियां मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट, जिला कलेक्ट्रेट और अन्य सरकारी कार्यालयों जैसी संस्थाओं को मिल रही धमकियों से आम लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है।

गोतस्करों की खैर नहीं, पीढ़ियां भी ये करने की हिम्मत नहीं करेंगी: अमित शाह

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के हिंगलगंज और उत्तरपाड़ा में चुनावी रैलियों में बड़ा एलान किया है। उन्होंने साफ कहा है कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही गोतस्करों को ऐसी कड़ी सजा मिलेगी कि उनकी आने वाली तीन पीढ़ियां भी ऐसा काम करने की हिम्मत नहीं करेंगी। इसके साथ ही चुनाव नतीजों के बाद उन घुसपैठियों को भी सीधा जेल भेजा जाएगा जो बंगाल के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। अमित शाह ने बंगाल चुनाव को लेकर कड़े तेवर दिखाते हुए पूरी खबर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भी भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार किया है, उन्हें बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा। चुनाव के नतीजे आते ही इन सभी अत्याचारियों को खोजकर जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बंगाल की जनता अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है।

पहले चरण के मतदान पर भी बोले शाह

पहले चरण के मतदान पर खुशी जताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग की है। बंगाल की जनता ने बदलाव के लिए अभूतपूर्व उत्साह और जोश के साथ मतदान किया है। यह भारी मतदान प्रतिशत पूरे देश में उन सभी लोगों के लिए बहुत ही उत्साह बढ़ाने वाला है जो लोकतंत्र में गहरा विश्वास रखते हैं।

घुसपैठ के मुद्दे पर क्या बोले शाह?

अमित शाह ने उत्तरपाड़ा की रैली में घुसपैठ के मुद्दे पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो घुसपैठिए बंगाल के गरीब लोगों का राशन और नौकरियां छीन रहे हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद इन सभी घुसपैठियों को पकड़कर सीधे जेल भेजा जाएगा।

महिला सुरक्षा पर कही ये बात

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गृह मंत्री ने बंगाल की माताओं और बहनों को एक बड़ा भरोसा दिया है। उन्होंने चुनावी रैली में कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद ऐसा सुरक्षित माहौल बनाया जाएगा कि महिलाएं रात के 2 बजे भी अपने घरों से बाहर निकलने में बिल्कुल भी डर महसूस नहीं करेंगी। यह वादा राज्य में कानून व्यवस्था को पूरी तरह से सुधारने और महिलाओं के मन से खौफ खत्म करने के लिए किया गया है।

मुफ्त इलाज का क्या एलान?

हिंगलगंज की रैली में अमित शाह ने स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी एक बहुत बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि पार्टी ने यह तय किया है कि बंगाल में सत्ता में आते ही गरीब लोगों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा (हेल्थकेयर कवर) दिया जाएगा। इससे गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा अमित शाह ने सोशल मीडिया पर यह भी कहा कि 4 मई को सत्ताधारी पार्टी का 'भाइपो टैक्स' भी हमेशा के लिए बंद हो जाएगा।

नेतन्याहू को हुआ कैंसर, चुपके से कराया इलाज

ईरान के साथ युद्ध के चलते छिपाया था सच

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को अपनी सालाना मेडिकल जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया कि उन्हें प्रोस्टेट कैंसर हो गया था। 76 वर्षीय नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने इस रिपोर्ट को दो महीने तक जारी नहीं होने दिया, ताकि ईरान इसका इस्तेमाल प्रोपेगैंडा के तौर पर न कर सके। नेतन्याहू दिसंबर 2024 में प्रोस्टेट बढ़ने की समस्या के कारण सर्जरी करा चुके थे, जिसकी जानकारी उस समय प्रधानमंत्री कार्यालय ने सार्वजनिक रूप से दी थी। सर्जरी के बाद की जांच में डॉक्टरों को उनके प्रोस्टेट में एक सेंटीमीटर से भी छोटा घातक ट्यूमर मिला। यह उनके जीवन में पहली बार कैंसर का पता चला था।

नेतन्याहू ने क्या कहा?

सोशल मीडिया पर जारी बयान में प्रधानमंत्री ने लिखा कि भगवान का शुक्र है, मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। मेरे प्रोस्टेट में एक छोटी सी मेडिकल समस्या थी, जिसका इलाज पूरी तरह हो चुका है। डॉक्टरों के पत्रों में स्पष्ट किया गया है कि कैंसर बहुत शुरूआती चरण में पकड़ा गया था और कोई फैलाव नहीं हुआ था। सभी जांचों में यह पुष्टि हुई कि ट्यूमर बेहद छोटा था और इलाज के बाद पूरी तरह ठीक हो गया है। नेतन्याहू इजरायल के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रह चुके नेता हैं। उन्होंने इस खबर को सार्वजनिक करते हुए जोर दिया कि अब वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और अपना काम सामान्य रूप से जारी रखेंगे।

AI फोकस के बीच 8,000 कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

Meta अपने Global Workforce का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा कम करने जा रही है, जिससे लगभग 8,000 employees की नौकरी प्रभावित होगी। यह छंटनी 20 मई को लागू की जाएगी और इसका उद्देश्य कंपनी के खर्च को कम करना और तेजी से बढ़ते Artificial Intelligence (AI) सेक्टर में भारी निवेश को संतुलित करना बताया जा रहा है।

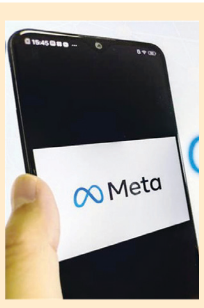

■ यह जानकारी एक internal Memo के जरिए सामने आई है, जिसे Meta lYe Chief People Officer Janelle Gale ने कर्मचारियों को भेजा। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी पहले से ही इन बदलावों की योजना बना रही थी, लेकिन मीडिया में जानकारी लीक होने के बाद इसे पहले ही सार्वजनिक करना पड़ा। Meta का कहना है कि यह कदम कंपनी को ज्यादा efficient बनाने और नई टेक्नोलॉजी, खासकर अक् में निवेश बढ़ाने के लिए जरूरी है। इसके साथ ही कंपनी ने यह भी बताया कि लगभग 6,000 खाली पदों (open roles) को फिलहाल नहीं भरा जाएगा, जिससे कुल मिलाकर workforce में और कमी आएगी। कंपनी पहले भी छोटे स्तर पर छंटनी कर चुकी है, जिसमें Reality Labs जैसे विभागों से भी कर्मचारी हटाए गए थे।

■ Mark Zuckerberg की कंपनी पहले से ही AI infrastructure पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है और माना जा रहा है कि आने वाले समय में AI Meta के हर बड़े प्रोजेक्ट का मुख्य हिस्सा बनेगा। Zuckerberg ने भी संकेत दिया है कि 2026 तक अककाम करने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। छंटनी के बाद प्रभावित कर्मचारियों के लिए Meta ³fZ EIY severance package की घोषणा की है। अमेरिका में कर्मचारियों को 16 हफ्तों का बेसिक पे और हर साल की नौकरी के लिए अतिरिक्त दो हफ्तों का वेतन मिलेगा। 18 महीने तक हेल्थकेयर सपोर्ट भी दिया जाएगा। अन्य देशों में भी इसी तरह की सुविधाएं दी जाएंगी। कंपनी career support AüSX job search Assistance भी देगी। कुल मिलाकर, Meta का यह कदम बड़े टेक कंपनियों में चल रहे उस ट्रेंड को दिखाता है जिसमें कंपनियां अकपर फोकस बढ़ाने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं और अपने संगठन को नए तकनीकी दौर के हिसाब से ढाल रही हैं।

कनाडा में लुधियाना की लड़की की संदिग्ध परिस्थिति मौत, पार्क के बैंच में मिला शव

हिंदमाता नेटवर्क @ लुधियाना

कनाडा में एक 26 साल की पंजाबी लड़की की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। मृतका की पहचान अनमोलदीप कौर निवासी नई बस्ती अकालगढ़ सुधार बाजार लुधियाना के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि अनमोलदीप कौर की पार्क में बेंच पर बैठे-बैठे मौत हो गई। यह घटना कनाडा के ओंटारियो प्रांत की है। जानकारी के मुताबिक, अनमोलदीप हमेशा की तरह जॉर्जियन कॉलेज बैरी और अपने घर के बीच बने एक पार्क में टहलने गई थी। जब वह काफी देर तक बेंच पर बिना हिले-डुले बैठी रही, तो वहां मौजूद लोगों ने उसे कांपते हुए देखा, लेकिन उसकी सांसें थम चुकी थीं। लोगों ने तुरंत कनाडा पुलिस को इसकी जानकारी दी।

हिंदमाता एंकर: गर्मी के मौसम के दौरान चलाई जाने वाली विशेष ट्रेनों के परिचालन की प्रगति की समीक्षा

भारतीय रेल का बड़ा ऐलान: 15 अप्रैल से 15 जुलाई के बीच रेल चलाएगा 18,262 समर स्पेशल ट्रेन फेरे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ एक बैठक कर गर्मी के मौसम के दौरान चलाई जाने वाली विशेष ट्रेनों के परिचालन की प्रगति की समीक्षा की। गौरतलब है कि रेलवे अधिक मांग वाले मार्गों और गलियारों पर बड़े पैमाने पर विशेष ट्रेनों को चलाकर यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने की कोशिश कर रहा है।

■ गर्मियों में यात्रा के सबसे व्यस्त समय (15 अप्रैल-15 जुलाई) के दौरान रेलवे कनेक्टिविटी बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए 'summer special' trains 18,262 फेरे चलाने की योजना बनाई है। अब तक, 11,878 ट्रेन फेरों की घोषणा की जा चुकी है और यात्रियों के लाभ के लिए शेष ट्रेनों की घोषणा भी की जा रही है। यह बड़े पैमाने पर ट्रेनों को चलाना एक सुनियोजित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसे बेहतर 'रेक' (ट्रेन के डिब्बों) की उपलब्धता, बेहतर समय-सारिणी और लगातार निगरानी का समर्थन प्राप्त है।

■ रेलवे की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति से अनुसार नयी दिल्ली, मुंबई (LTT, GSAT, Pune सहित), सूरत (उधना सहित), अहमदाबाद, बेंगलुरु आदि जैसे स्टेशनों पर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत, उधना स्टेशन पर पश्चिम रेलवे द्वारा किए गए सक्रिय उपाय-जैसे कि भीड़ का 'रियल-टाइम' प्रबंधन, जमीन पर बेहतर सहायता और ट्रेनों का कुशल संचालन यह दशार्ते हैं कि कैसे क्षेत्रीय स्तर की पहलें यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और परेशानी-मुक्त यात्रा का अनुभव प्रदान करने के प्रयास को प्रभावी ढंग से पूरा कर रही हैं। गृह नगरों की यात्रा करने वाले यात्रियों पर विशेष ध्यान दिया गया और ट्रेन में चढ़ने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए जमीन पर बेहतर व्यवस्थाएं की गईं।

■ रेलवे के अनुसार इन्हीं प्रयासों के अनुरूप अपने गृह नगरों की यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर बेहतर और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं लागू की गईं। ट्रेन संख्या 19045 'उधना-थावे ताप्ती गंगा एक्सप्रेस' में, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) कर्मियों ने यात्रियों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़ने में सहायता की।

■ भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रा का सुगम अनुभव सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन में चढ़ने और बैठने की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से प्रबंधित किया गया। रेलवे ने बताया है कि भारतीय रेल सक्रिय योजना और तत्परतापूर्ण संचालन के माध्यम से यात्रा के व्यस्त समय के दौरान यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये प्रयास सेवा वितरण में सुधार करने और गर्मियों की भीड़ के दौरान सुगम, सुरक्षित और परेशानी-मुक्त यात्राएं सुनिश्चित करने में लक्षित हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को उजागर करते हैं।

रामलला दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव अब पोर्टल से नहीं होगी विशिष्ट बुकिंग

जानें क्या है नया नियम?

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर में रामलला के दर्शन को लेकर व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है, जिससे अब श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकेंगे। नई व्यवस्था से भीड़ को भी नियंत्रित किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया में बदलाव करते हुए विशिष्ट दर्शन का विकल्प हटा दिया है। अब दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग करने वाले श्रद्धालु को वेबसाइट पर केवल दो ही विकल्प सुगम दर्शन और सामान्य दर्शन के ही दिखेंगे। दर्शन के लिए श्रद्धालु इन दोनों विकल्पों के तहत रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। ट्रस्ट के अनुसार अब वेबसाइट से बुकिंग करने वाले सभी श्रद्धालुओं को लगभग एक समान श्रेणी में दर्शन का अवसर मिलेगा। इससे वीआईपी कल्चर को भी कम करने में मदद मिलेगी।

घटाई गई पास पर श्रद्धालुओं की संख्या

ट्रस्ट ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए एक पास पर दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को सीमित कर दिया है। पहले सुगम पास पर 8 लोग दर्शन कर सकते थे, अब इसे घटाकर 5 कर दिया गया है। माना जा रहा है कि यह कदम भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने और व्यवस्था को सुचारू रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

किस पास से कहां का कर सकेंगे दर्शन?

नई व्यवस्था के तहत सुगम दर्शन पास के जरिए श्रद्धालु रामलला और राम परिवार के दर्शन कर सकेंगे, जबकि सामान्य दर्शन पास पर मंदिर परिसर के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों जैसे सप्तमंडपम और कुबेर टीला के भी दर्शन का अवसर मिलेगा। बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 30 अप्रैल तक के सभी ऑनलाइन स्लॉट पहले ही बुक हो चुके हैं।

तैयार किए गए दो AC वेटिंग रूम

इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर के आसपास बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि पथ पर दो नए एसी वेटिंग रूम तैयार किए गए हैं, जहां एक साथ लगभग 3000 लोग बैठ सकेंगे। इन वेटिंग रूम में बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी, जिसके माध्यम से रामलला के लाइव दर्शन और भजन प्रसारण की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

अब सरकार के खिलाफ गोरिल्ला युद्ध का समय आ गया

गाजीपुर की घटना पर बोले सपा मुखिया अखिलेश यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजीपुर

यूपी के गाजीपुर में हुए पथराव के मामले में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद हम लोग कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। अखिलेश ने दो टूक कहा कि अब सरकार के खिलाफ गोरिल्ला युद्ध (छापामार युद्ध) का समय आ गया है। कहीं जाने से पहले उन्हें (सरकार/प्रशासन) पहले से सूचित करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वे हमारे लोगों को रोक देंगे। हम उन्हें जानकारी ही नहीं देंगे। हम बिना बताए जाएंगे। हम पीड़ित के लिए काम करेंगे ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

राजधानी में भू-माफिया और डिजाइन पर तंज

लखनऊ के मुद्दों पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि राजधानी में बीजेपी भू-माफिया बनकर काम कर रही है। जहां भी कोई प्रोजेक्ट शुरू होता है, वहां आसपास की जमीनें खरीद ली जाती हैं। उन्होंने ग्रीन कॉरिडोर और सीएम की शेर वाली तस्वीर के डिजाइन पर चुटकी लेते हुए कहा कि लगता है इनका डिजाइन भी सीएम ने खुद तैयार किया है, क्योंकि बब्बर शेर की मूर्ति बेहद खराब बनाई गई है।

अखिलेश यादव ने सरकार पर बोला हमला

शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने गाजीपुर में सपा जिलाध्यक्ष और विधायकों पर दर्ज मुकदमों को लेकर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे अलोकतांत्रिक करार दिया और हाथरस कांड की याद दिलाई। अखिलेश ने आरोप लगाया कि राजधानी लखनऊ में बीजेपी भू-माफिया के तौर पर काम कर रही है और जमीन कब्जाने का खेल चल रहा है।

ममता की जीत और पीडीए का अधिकार

अखिलेश ने पश्चिम बंगाल चुनाव पर कहा कि वहां ममता बनर्जी की ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने तंज कसा कि अगर बंगाल में 3 लाख पैरा मिलिट्री फोर्स लगी है, तो यूपी में 6 लाख लगा दें, जीत तो पीडीए की ही होगी।

शॉर्ट स्टोरी

रोकती रह गई नीचे खड़ी भीड़, पटना में छात्रा ने डबल डेकर पुल से लगा दी छलांग

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के पटना में गुरुवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब एक छात्रा ने डबल डेकर पुल से छलांग लगा दी। यह घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र के पटना कॉलेज के पास की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छात्रा कुछ देर तक पुल पर खड़ी रही, जिसे देखकर नीचे मौजूद लोग उसे रोकने के लिए आवाज लगाते रहे, लेकिन उसने अचानक छलांग लगा दी। करीब 50 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। नीचे मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन ऊंचाई अधिक होने के कारण उसे संभालना संभव नहीं हो सका। गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद पुलिस गश्ती दल ने तुरंत छात्रा को उठाकर पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। फिलहाल छात्रा की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह कदम क्यों उठाया।

सम्राट सरकार ने जीता विश्वास मत, बोले- नई सरकार भी नीतीश कुमार के रास्ते पर चलेगी

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के सभी सहयोगी दलों का आभार जताया। बिहार विधानसभा में सदन की कार्यवाही राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी को बधाई दी, साथ ही नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा, "चुनाव के समय हमने देखा कि जेडीयू के नेता कहते थे, '25 से 30, फिर से नीतीश', लेकिन हमने पहले ही कहा था कि बीजेपी के लोग नीतीश को मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे, और वही हुआ। नीतीश जी को फिनिश कर दिया गया।" तेजस्वी के इस बयान पर विधानसभा में हंगामा हो गया। इसके अलावा तेजस्वी ने सम्राट चौधरी को 'पगड़ी संभालकर रखने' की नसीहत दी और कहा कि कई लोगों की उन पर नजर है। उन्होंने सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण के दौरान बोले गए शब्दों पर भी तंज कसा। तेजस्वी ने कहा कि बिहार एक अजूबा स्टेट है। 20 साल से सरकार है, लेकिन 5 साल में 5 सरकार बनी। उन्होंने यह भी कहा, अब हम पर परिवारवाद का आरोप नहीं लगेगा, सम्राट चौधरी के पिता के भी राजनीति में रहे हैं। सम्राट जी हमारे पाठशाला के ही विद्यार्थी रहे हैं। बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ सभी व्यवस्था चरमराई हुई है। डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा, सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने हैं इस प्रदेश के इसका एक ऐतिहासिक महत्व है। यह कोई आम घटना नहीं है। बिहार की जनता का जितना निरंतर समर्थन एनडीए को मिला है। आज एनडीए की दूसरी पीढ़ी बिहार के सत्ता में आई है और इसको भी जनता का समर्थन है। यह कोई मामूली घटना नहीं, पीढ़ियां बदल रही है लेकिन लोगों का विश्वास एनडीए से नहीं हट रहा है। तेजस्वी यादव को मलाल यही है कि सरकार पर सरकार बनती जा रही है लेकिन आपको मौका नहीं मिल रहा है। लेकिन यह मौका सिर्फ बिहार की जनता ही दे सकती है और इसके लिए आपको बिहार की जनता का भरोसा जीतना होगा। विजय कुमार चौधरी ने कहा इसमें कोई बड़ी बात नहीं कि एनडीए की तीसरी पीढ़ी भी सरकार बनाएगी।

मेरठ-करनाल हाइवे पर बिखरे मिले 4 लाख रुपये

हिंदमाता नेटवर्क @ शामली

उत्तर प्रदेश के शामली में ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने लोगों को हैरान भी किया और ईमानदारी की मिसाल भी पेश की। मेरठ-करनाल हाइवे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क पर 500 और 200 रुपये के नोट बिखरे हुए नजर आए। कुछ ही देर में यह खबर फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। यह घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के काबड़ौत पुल के पास की है। बुधवार देर शाम पुलिस हाइवे पर नियमित चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान अमित नाम के एक राहगीर ने पुलिस को सूचना दी कि पुल के आसपास सड़क पर बड़ी संख्या में नोट बिखरे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लगभग 500 मीटर तक फैले नोटों को इकट्ठा करना शुरू किया। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो सामने आया कि करीब 500 मीटर के दायरे में 500-500 और 200 रुपये के नोट बिखरे हैं। पुलिस ने सभी नोटों को इकट्ठा किया। कुछ समय बाद पुलिस ने सभी नोटों को इकट्ठा कर कोतवाली पहुंचाया। वहां जब पूरी रकम की गिनती की गई तो कुल राशि लगभग 4 लाख रुपये निकली। कई नोटों की गड्डियों पर बैंक की पर्चियां और नाम भी लगे हुए मिले। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह रकम किसी बैंक से निकाली गई थी और किसी वाहन से गिर गई होगी। इस दौरान लोगों ने जो ईमानदारी दिखाई, वह सराहनीय थी। कई लोग नोट देखकर उन्हें उठाकर अपने पास रख सकते थे, लेकिन लोगों ने ऐसा नहीं किया और पूरी रकम पुलिस को सौंप दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल जिले के किसी भी थाने में इतनी बड़ी रकम गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इसके बाद पुलिस ने आसपास की बैंक शाखाओं से संपर्क करना शुरू कर दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह रकम किस खाते से निकाली गई थी और किन परिस्थितियों में हाइवे पर गिर गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ASP) सुमित शुक्ला ने बताया कि पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि उस वाहन की पहचान की जा सके, जिससे यह रकम गिरी है। हाइवे के आसपास लगे कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि बरामद की गई राशि को फिलहाल मालखाने में सुरक्षित जमा कर दिया गया है।

खुद के मुंह में मारी गोली?

गोरखपुर में कारोबारी की संदिग्ध मौत से सनसनी

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शुक्रवार सुबह एक कारोबारी की मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। फार्म हाउस के एक कमरे में खून से लथपथ पड़े अमरीश श्रीवास्तव को जिसने भी देखी, सन्न रह गया। पहली नजर में यह मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन इसके पीछे की वजह अब भी रहस्य बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर क्लब के संचालक अतुल श्रीवास्तव के 40 साल के बेटे अमरीश श्रीवास्तव शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे अपने पार्क रोड स्थित घर से कुसम्ही स्थित फार्म हाउस पहुंचे थे। वह अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी से वहां आए और सीधे ऊपर की मंजिल पर चले गए। बताया जा रहा है कि उस समय वह मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिससे फार्म हाउस में मौजूद कर्मचारी घबरा गए। वे तुरंत ऊपर पहुंचे तो देखा कि अमरीश जमीन पर गिरे हुए हैं और उनके आसपास खून फैला हुआ है। उनके हाथ में पिस्टल थी और गोली उनके मुंह में लगी थी। मौके पर ही उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी डॉ। कौष्तुभ और एसपी सिटी निमिष पाटिल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जो साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस के मुताबिक, अमरीश टेंट हाउस और ठेकदारी का काम करते थे। उनकी कंपनी 'एके टेंट हाउस' बड़े आयोजनों में सेवाएं देती थी, यहां तक कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में भी उनके टेंट लगाए जाते रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कॉल डिटेल सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई और कारण छिपा है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने लाई जा सके।

मेरी लाश को पिता हाथ भी न लगाएं

सुसाइड नोट लिख कानपुर कचहरी की 5वीं मंजिल से कूदकर वकील प्रियांशु श्रीवास्तव ने दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

कानपुर कचहरी में अधिवक्ता प्रियांशु श्रीवास्तव ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। प्रियांशु ने यह आत्मघाती कदम अपने पिता राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव की कथित सख्ती और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उठाया। मृतक ने आत्महत्या से ठीक पहले व्हाट्सएप पर दो पन्नों का स्टेटस नोट साझा किया था। इस नोट में उन्होंने बचपन की कड़वी यादों और वर्तमान की बंदिशों का विस्तार से जिक्र किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और व्हाट्सएप स्टेटस को जांच का मुख्य आधार बनाया है।

बचपन की कड़वाहट और 'नंगा' करने का आरोप

प्रियांशु ने सुसाइड नोट में पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा कि बचपन में फ्रिज से आम का जूस पीने पर पिता ने उन्हें नंगा करके घर से निकाल दिया था। हाईस्कूल में कम नंबर आने पर भी उनके साथ ऐसा ही व्यवहार करने की धमकी दी गई थी। प्रियांशु के मुताबिक, पिता हर समय उन पर नजर रखते थे, जिससे उन्हें मोहल्ले में बेइज्जती महसूस होती थी। नोट में लिखा गया कि 'भगवान मेरे जैसे पिता किसी को न दे', और अंत में यह इच्छा जताई कि उनके पिता उनके शव को हाथ न लगाएं।

करियर की घुटन और अपनी पहचान की जंग

25 वर्षीय प्रियांशु खुद भी वकील थे और अपने पिता के चैंबर में ही काम करते थे। नोट में उन्होंने अपनी पहचान न होने का दर्द बयां किया। उन्होंने लिखा कि उनका न कोई अपना चैंबर है और न ही कोई ऑफिस, वे दिन भर पिता के लिए ही काम करते रहते हैं। उन्हें महसूस होता था कि उनकी कोई अहमियत नहीं है। प्रियांशु के अनुसार, वे किसी गलत संगत में नहीं थे, फिर भी पिता की बेवजह की सख्ती ने उन्हें मौत के रास्ते पर ढकेल दिया।

कचहरी में गमगीन माहौल और पुलिस जांच

घटना के बाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और जज मौके पर पहुंचे। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। वहीं, बेटे की मौत से वकील पिता बेहाल हैं और कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। कानपुर कचहरी के हजारों वकीलों के बीच यह सुसाइड नोट चर्चा का केंद्र बना हुआ है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह केवल पारिवारिक विवाद था या इसके पीछे अन्य कारण भी थे।

'ऊपर वाला न्याय करेगा..' जेल जाने के डर से युवक ने किया सुसाइड

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजीपुर

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां जेल जाने के डर और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान एक 25 साल के युवक ने सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान राजाराम कुमार के रूप में हुई है। घटना दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने राजाराम का शव उसके घर की छत से सटे एक नीम के पेड़ पर नायलॉन की रस्सी के सहारे लटका हुआ देखा। परिजनों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी, घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही दुल्लहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजाराम को लगातार धमकी मिल रही थी

परिजनों के अनुसार, 13 अप्रैल को गांव के ही एक शख्स के साथ शराब पीने के दौरान राजाराम की कहासुनी हो गई थी, जो बाद में मारपीट में बदल गई। इस झगड़े में दूसरे पक्ष के एक युवक का पैर टूट गया था, जिसका इलाज मऊ स्थित फातिमा अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद से ही गांव के कुछ लोग राजाराम को लगातार धमका रहे थे। उसे बार-बार कहा जा रहा था कि उसने गंभीर अपराध किया है और अब उसे जेल जाना पड़ेगा, यहां तक कि फांसी की सजा भी हो सकती है। इन धमकियों और मानसिक दबाव के चलते राजाराम गहरे तनाव में चला गया था।

जो ऊपर बैठा है वही न्याय करेगा

घटनास्थल से पुलिस को एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें राजाराम ने अपनी बेबसी जाहिर की है। नोट में लिखा है, जो ऊपर बैठा है वही न्याय करेगा अल्लाह भगवान। पुलिस ने सुसाइड नोट और रस्सी को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। गौर करने वाली बात यह है कि 13 अप्रैल की मारपीट की घटना को लेकर पहले कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

चिप्स, कुरकुरे और नूडल्स, गांवों में बेचा जा रहा था एक्सपायरी नमकीन

छापेमारी में बड़ा खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरोहा

उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी में एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के बड़े खेल का खुलासा हुआ है। जोया ब्लॉक क्षेत्र के ढकिया चमन गांव में एक गोदाम पर कार्रवाई करते हुए टीम ने भारी मात्रा में एक्सपायरी नमकीन, चिप्स, कुरकुरे और नूडल्स के पैकेट बरामद किए। प्राथमिक जांच में सामने आया कि इन उत्पादों को नए पैकेट में भरकर बाजार में दोबारा बेचा जा रहा था। जांच के दौरान अधिकारियों को यह भी पता चला कि एक्सपायरी नमकीन को पैकेट से निकालकर खुले में गांवों के बाजारों में बेचा जा रहा था। कुछ उत्पादों को नए रैपर में पैक कर फिर से बिक्री के लिए तैयार किया जा रहा था। यह पूरा काम लोगों की सेहत से सीधे खिलवाड़ करने वाला माना जा रहा है। छापेमारी के दौरान गोदाम से करीब ढाई से तीन क्विंटल नमकीन बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत सात लाख रुपये से अधिक बताई गई है। बरामद माल को गोदाम के एक कमरे में बंद कर सील कर दिया गया है।

बरामदगी और प्रशासनिक कार्रवाई

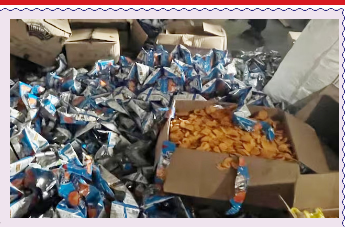

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पूरे माल को कब्जे में लिया और गोदाम को सील कर दिया। मामले की विस्तृत जांच जारी है। मौके से कलीम पुत्र छंगा नामक व्यक्ति की भूमिका सामने आई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, वह एक्सपायरी सामान खरीदकर उसे दोबारा बाजार में बेच रहा था। बताया जा रहा है कि उसने यह गोदाम किराए पर लिया था और पिछले एक महीने से यह धंधा चला रहा था। इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक आयुक्त खाद्य विनय कुमार अग्रवाल ने किया। कलीम को नोटिस जारी किया गया है और संतोषजनक जवाब न मिलने पर उसके खिलाफ एडीएम कोर्ट में वाद दायर किया जाएगा।

स्वास्थ्य पर खतरा और आगे की जांच

विभाग यह भी जांच कर रहा है कि एक्सपायरी सामान कहां से लाया जा रहा था और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि सप्लाई चेन की भी पड़ताल की जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार एक्सपायरी खाद्य पदार्थों में हानिकारक बैक्टीरिया पनप सकते हैं। ऐसे उत्पादों के सेवन से फूड प्वाइजनिंग, उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ खरीदते समय एक्सपायरी डेट जांचने की अपील की है। विभाग ने कहा कि ऐसे मामलों पर सख्त निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

वाराणसी में चार सिलिंडर फटे: धधक उठी बस्ती

25 झोपड़ियां जलीं, पांच किमी दूर तक दिखा धुआं

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

नक्खीघाट क्षेत्र के भरतनगर में बृहस्पतिवार शाम करीब चार बजे खाली पड़ी जमीन पर बनी झुग्गी बस्ती में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की चपेट में आकर करीब 25 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। गनीमत रही कि यहां रहने वाले 70 से अधिक लोग अपने परिवारों के साथ पश्चिम बंगाल स्थित अपने गांव गए हुए थे, जिससे जनहानि नहीं हुई। आग के दौरान तीन से चार छोटे गैस सिलिंडर भी फट गए, जबकि छह सिलिंडर जले हुए मिले। मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत और थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। झोपड़ी में रहने वाले कासिम सेख, मुराद, बुद्धू सेख, जमाल, सेखू, सुक्खू सेख, हाबू, कउनरा सेख और फिरोज समेत अन्य लोगों ने बताया कि वे किशून और विशून यादव की खाली जमीन पर झोपड़ी बनाकर कबाड़ बीनने का काम करते हैं। इनमें से कई परिवार पश्चिम बंगाल के निवासी हैं। आग की सूचना पर स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ और दमकल विभाग की टीम पांच अग्निशमन वाहनों के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन संकरी गलियों के कारण दमकल को पहुंचने में काफी दिक्कत हुई। ऐसे में एक छोटी फायर ब्रिगेड गाड़ी को अंदर भेजा गया, जिसने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने में स्थानीय लोग भी जुटे रहे।

पांच किलोमीटर तक छाया काला धुआं

आग लगने के बाद करीब पांच किलोमीटर के दायरे में आसमान काले धुएं से भर गया। भदऊचुंगी से नदेसर तक लोगों ने धुआं देखा, जिससे दहशत फैल गई। नक्खीघाट के मौजाहाल इलाके में धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हुई। करीब दो घंटे तक लोग मुंह पर गमछा और मास्क लगाकर रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार, किशून और विशून यादव सगे भाई हैं और उनकी जमीन पर लंबे समय से बाहरी लोग झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पूजा के दौरान लगी आग, घर का सामान जला

दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के अहिल्याबाई मोहल्ले में बृहस्पतिवार की दोपहर पूजा के दौरान अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना दशाश्वमेध घाट के पास एक तीन मंजिला मकान में हुई, जहां पृथ्वी साहनी और गोपाल साहनी के घर में कपूर से आरती करते समय उठी लपटों ने कमरे में रखी पूजा सामग्री को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग तेजी से फैल गई, जिससे घर में हड़कंप मच गया।

हिंदमाता एंकर: इस सर्वे का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि गन्ना किसानों के खेतों का सही क्षेत्रफल, गन्ने की किस्म और उत्पादन का सटीक डाटा विभाग के पास पहुंच जाएगा

किसान रहें तैयार! यूपी में गन्ने की फसल का होगा GPS सर्वे, मिलेंगे कई फायदे

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की मुश्किलें कम करने और फसल के सही रिकॉर्ड रखने के लिए गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी की गई है। इसके तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग गन्ने की फसल का GPS सर्वेक्षण कराएगा। यह सर्वे 1 मई 2026 से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा। इस सर्वे का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि गन्ना किसानों के खेतों का सही क्षेत्रफल, गन्ने की किस्म और उत्पादन का सटीक डाटा विभाग के पास पहुंच जाएगा। इससे आगे चलकर किसानों को सही मूल्य, सब्सिडी और सुविधाएं मिलने में आसानी होगी।

सर्वे से पहले किसानों को SMS आएगा

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने सभी रजिस्टर्ड गन्ना किसानों को सूचना देने का प्लान बनाया है। सर्वेक्षण शुरू होने से 3 दिन पहले हर किसान के मोबाइल पर SMS भेजा जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि उनकी फसल का सर्वे कब होना है।

सर्वेक्षण टीम में दो सदस्य होंगे

एक राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक

एक चीनी मिल का कर्मचारी

टीम के सदस्यों को सर्वे से पहले विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सर्वे के समय किसान की मौजूदगी जरूरी रहेगी। टीम खेत पर पहुंचकर GPS डिवाइस की मदद से सारी जानकारी सीधे विभाग के सर्वर पर ऑनलाइन फीड कर देगी।

सर्वे पूरा होने के बाद किसान को SMS के जरिए ये जानकारियां मिलेंगी

खेत का सही क्षेत्रफल

गन्ने की बोई गई किस्म

अन्य जरूरी डिटेल्स

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग आयुक्त वीना कुमारी मीना ने बताया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी कर दी गई है। सर्वेक्षण 1 मई से 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। किसान अपनी सर्वेक्षित भूमि का सत्यापन आसानी से www lupbhulekh lgov lin वेबसाइट पर कर सकते हैं। चीनी मिलें सर्वे के अंतिम आंकड़ों को विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड करेंगी और अपनी वेबसाइट पर भी दिखाएंगी। इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी।

नए किसानों का भी होगा रजिस्ट्रेशन

सर्वेक्षण के दौरान नए गन्ना किसानों का पंजीकरण भी किया जाएगा। जो किसान अभी तक रजिस्टर्ड नहीं हैं, वे सर्वे के समय अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। नए किसानों को जोड़ने के लिए विभाग ने शुल्क भी तय किया है। जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के किसानों को 10 रुपये, लघु किसान (छोटे किसान) को 100 रुपये और अन्य किसानों को 200 रुपये शुल्क देना होगा। यह शुल्क सर्वेक्षण के दौरान या 30 सितंबर 2026 तक जमा किया जा सकता है।

किसानों को क्या फायदा?

यह GPS सर्वेक्षण गन्ना किसानों के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित होगा।

इससे खेत का सही माप और रिकॉर्ड बनेगा।

गन्ने की सही किस्म का पता चलेगा।

उत्पादन के सटीक आंकड़े से बेहतर प्लानिंग हो सकेगी।

चीनी मिलों और सरकार के बीच पारदर्शी व्यवस्था बनेगी।

नए किसान आसानी से जुड़ सकेंगे।

होर्मुज के बाद अब मलक्का स्ट्रेट में जहाजों से टोल वसूली!

ईरान की राह पर चला ये मुस्लिम देश?

हिंदमाता नेटवर्क @ जकार्ता

इंडोनेशिया के वित्त मंत्री पुरबाया युधी सदेवा ने बुधवार को यह कहकर हलचल मचा दी कि देश अपने नियंत्रण वाले स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाकर अच्छी कमाई कर सकता है। उनके इस बयान के बाद माना जाने लगा कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान की टोल वसूली की देखादेखी इंडोनेशिया भी अपने नियंत्रण वाले मलक्का स्ट्रेट पर टोल वसूल सकता है। हालांकि, अब इंडोनेशियाई वित्त मंत्री ने अपने इस बयान पर स्पष्टीकरण दिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, शुक्रवार को उन्होंने कहा कि मलक्का स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलने की कोई प्लानिंग नहीं है। वित्त मंत्री ने दोहराया कि दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इंडोनेशिया मलक्का स्ट्रेट में किसी तरह का ट्रांजिट फीस नहीं वसूलेगा। इससे पहले गुरुवार को देश के विदेश मंत्री भी यही सफाई दे चुके थे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इंडोनेशिया समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि (UNCLOS) का पालन करेगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए इस्तेमाल होने वाले जलमार्गों के नियम तय किए गए हैं। बुधवार को पुरबाया ने स्ट्रेट को कमाई का जरिया बता दिया था। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी कहा था कि ऐसा प्रबंध फिलहाल संभव नहीं है।

होर्मुज के बंद होने से ऊर्जा की कीमतों में आया है उछाल

मध्य पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के प्रभावी रूप से बंद होने के बाद एशियाई नीति-निर्माताओं के सामने अन्य समुद्री संकरे रास्तों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के जवाब में इस्लामिक देश ने होर्मुज को लगभग बंद कर दिया है। इस रास्ते से कुछेक जहाजों को ही गुजरने की इजाजत है। इस बीच ऐसी खबरें भी आई हैं कि ईरान स्ट्रेट में जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के बदले में उनसे टोल वसूलेगा। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा सप्लाई के लिए बेहद अहम समुद्री रास्ता है जो फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित है। इस संकरे समुद्री रास्ते के जरिए दुनिया की कुल तेल सप्लाई का लगभग 20% हिस्सा गुजरता है। इसके बंद होने से खाड़ी देशों की तेल और गैस सप्लाई में भारी गिरावट आई है और ऊर्जा की कीमतें आसमान छू रही हैं।

एशिया को यूरोप से जोड़ने वाला सबसे छोटा समुद्री रास्ता है मलक्का

करीब 900 किलोमीटर लंबे मलक्का स्ट्रेट को अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल ट्रांजिट चोकपॉइंट बताता है। यह इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर से घिरा हुआ है। यह पूर्वी एशिया से मध्य पूर्व और यूरोप तक जाने वाला सबसे छोटा समुद्री मार्ग है। मलेशिया के समुद्री विभाग के आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 1,02,500 से अधिक जहाज, जिनमें ज्यादातर कमर्शियल पोत थे, मलक्का स्ट्रेट से गुजरे। यह संख्या 2024 के लगभग 94,300 जहाजों से अधिक रही।

नाटो से स्पेन को बाहर करो अमेरिकी रक्षा विभाग का सीक्रेट ईमेल लीक

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

ईरान जंग के बीच अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन का सीक्रेट ईमेल सामने आया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इस ईमेल में पेंटागन ने स्पेन को नाटो से बाहर करने की मांग की है। ईरान जंग में स्पेन ने अमेरिका का खुलकर विरोध किया था। यह ईमेल ऐसे वक्त में सामने आया है, जब यह चर्चा चल रही थी कि नाटो को लेकर अमेरिका अच्छे और बुरे देशों की सूची तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पेंटागन का कहना है कि जंग में एक तरफ जहां स्पेन ने साथ नहीं दिया। वहीं उसने खुलकर ईरान के समर्थन में बयानबाजी की। अमेरिका के खिलाफ बयान दिए। इस कारण उसे नाटो में रखा जाना सही नहीं है। जंग के दौरान स्पेन ने अमेरिका के लिए अपना एयरस्पेस भी बंद कर दिया था।

पेंटागन के ईमेल में और क्या-क्या है?

1. अर्जेंटीना के पास फ़ॉकलैंड द्वीप समूह पर ब्रिटेन के दावे सहित यूरोपीय साम्राज्यवादी कब्जों के लिए अमेरिकी राजनयिक समर्थन का पुनर्मूल्यांकन करना। यानी अमेरिका यह देखेगा कि क्या इस लैंड पर अब भी ब्रिटेन के दावे को सही माना जा सकता है?
2. नाटो से उन देशों को बाहर करवाना, जिसने ईरान जंग में उसकी मुसीबत को बढ़ाया। साथ ही जो देश जंग में अमेरिका के लिए कमजोर कड़ी साबित हुआ है, उसे नाटो के भीतर अहम पद से हटाने की बात इस ईमेल में कही गई है। इस लिस्ट में तुर्की और ब्रिटेन का नाम शामिल है।
3. अब तक अमेरिका के शीर्ष अधिकारी नाटो से बाहर निकलने की बात कर रहे थे, लेकिन जो ईमेल सामने आया है, उसमें बाहर निकलने की बात नहीं है।

अमेरिका ने तैयार किया है अच्छे और बुरे देशों की सूची

पॉलिटिको के मुताबिक ईरान जंग के बाद अमेरिका ने नाटो के भीतर अच्छे और बुरे देशों की एक सूची जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक जो देश नाटो के लिए रक्षा खर्च बढ़ाते हैं और अमेरिका का साथ देते हैं, उन्हें आदर्श सहयोगी माना जाएगा। अमेरिका ने अच्छे देशों की सूची में पोलैंड, जर्मनी और बाल्टिक देशों (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया), चेक रिपब्लिक और अल्बानिया को शामिल किया है। हालांकि, पोलैंड के रक्षा मंत्री ने अमेरिका के नियत पर सवाल उठाए हैं। पोलैंड के रक्षा मंत्री का कहना है कि अमेरिका बुरे वक्त में हमारा साथ देगा, इसका भरोसा नहीं है।

इंडिया से लोगों को एयरलिफ्ट कर अपने वॉर जोन में क्यों बसा रहा इजरायल?

हिंदमाता नेटवर्क @ जेरूसलम

ईरान से लगभग 4000 किलोमीटर दूर इजरायल भारत में एक और ऑपरेशन चला रहा है। 'ऑपरेशन विंग्स ऑफ़ डॉन' नाम का यह मिशन भारत के पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से शुरू होता है, जिसका मकसद 'बनेई मेनाशे' समुदाय के लगभग 5,000 सदस्यों को मणिपुर से तेल अवीव ले जाना है। कुछ लोगों के लिए यह एक हिंसा प्रभावित क्षेत्र से दूसरे हिंसा प्रभावित क्षेत्र की यात्रा है। लेकिन बनेई मेनाशे समुदाय के ज़्यादातर सदस्यों के लिए, जो खुद को इज़रायल की बाइबिल वाली 'खोए हुए कबीलों' में से एक का वंशज मानते हैं, यह अपने पूर्वजों के घर पहुंचने की एक लंबी यात्रा का अंत है। दरअसल बनेई मेनाशे पूर्वोत्तर भारत जैसे कि मिजोरम और मणिपुर के कुकी, चिन और मिजो जातीय समूहों का एक समूह है। ये समुदाय खुद को 2700 साल पहले निर्वासित हुई इजरायल की खोई हुई जनजाति मनस्से कबीले का वंशज मानते हैं। ये लोग पारंपरिक रूप से यहूदी धर्म का पालन करते हैं और 'शावेई इज़राइल' नामक संस्था के सहयोग से अपनी पैतृक भूमि इज़रायल लौट रहे हैं। इजरायली सरकार ने गुरुवार को दिल्ली के रास्ते इस समुदाय के लगभग 250 सदस्यों का पहला जत्था हवाई जहाज से भेजा। पिछले साल बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने भारत से समुदाय के लगभग 4600 सदस्यों को इजरायल में बसने के लिए आर्थिक मदद देने की एक पहल की घोषणा की थी। पिछले दो दशकों में लगभग 5000 लोग पहले ही इजरायल में बस चुके हैं।

बनेई मेनाशे कौन हैं?

इजरायल का ये ऑपरेशन मन में कई जिज्ञासाएं पैदा करता है। यहूदी धर्म को मानने वाले ये लोग इजरायल से भारत के सुदूर उत्तर-पूर्व में कैसे पहुंचे? बाइबल के अनुसार प्राचीन इजरायल के लोग 12 कबीलों में बंटे हुए थे। इनमें से दस कबीलों के नाम याकूब के बेटों के नाम पर रखे गए थे और दो कबीलों के नाम उनके पोतों- एफ्रैम और मनस्से के नाम पर रखे गए थे। जो यूसुफ़ के बेटे थे। बनेई मनस्से समुदाय का दावा है कि वे मनस्से के ही वंशज हैं। 722 ईसा पूर्व में इजरायल साम्राज्य की हार के बाद असीरियाई विजेताओं ने उन्हें देश निकाला दे दिया था।

इजरायल क्यों जाना चाहते हैं?

दरअसल धर्म उन मुख्य कारणों में से एक है जिनकी वजह से यह समुदाय इजरायल जाना चाहता है। मणिपुर के रहने वाले बेंजामिन हाओकिप ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को बताया कि दूर-दराज की पहाड़ियों में धार्मिक सुविधाओं तक सीमित पहुंच एक बड़ी रुकावट थी। हाओकिप ने कहा, यहां हम अपने सभी रीति-रिवाजों का पालन नहीं कर पाते। कुछ प्रार्थनाओं के लिए 'मिन्यान' यानी की कोरम की जरूरत होती है, जो पहाड़ियों में मिलना मुश्किल है। हम अपने धर्म के लिए इजरायल जाना चाहते हैं।' 'मिन्यान' एक हिब्रू शब्द है जो धार्मिक अनुष्ठानों के लिए जरूरी 10 यहूदी वयस्कों की गणपूर्ति को दर्शाता है। पारंपरिक भोजन और सांस्कृतिक संसाधनों की उपलब्धता भी इस समुदाय के सामने आने वाली एक बाधा है।

पहले गाजा में बसे अब उत्तरी इजरायल में बसेंगे

पिछले साल समुदाय को बसाने की पहल की घोषणा करते हुए नेतन्याहू ने इसे एक महत्वपूर्ण फैसला बताया था। बनेई मनस्से समुदाय के ज़्यादातर लोग जो 2005 से पहले भारत से आकर बसे थे, हेब्रोन और गाजा में बनी इज़रायली बस्तियों जैसी जगहों पर बस गए। गुरुवार को आए 250 सदस्य उत्तरी इजरायल में बसेंगे; इस इलाके के कुछ हिस्सों पर पिछले हफ़्ते ही लेबनान के हिज़्बुल्लाह संगठन ने मिसाइलें दागी थीं। अब वहां एक नाजुक संघर्ष-विराम लागू है। इज़राइली प्रधानमंत्री ने कहा है कि इन लोगों के वहां बसने से उत्तरी और गैलिली इलाके मज़बूत होंगे। 'द टाइम्स ऑफ़ इज़रायल' की रिपोर्ट के अनुसार अब इजरायली नागरिक बनने के लिए इन लोगों को अपना धर्म बदलना होगा।

इजरायल उन्हें क्यों दूसरी जगह बसाना चाहता है?

लेकिन इजरायल के इस फ़ैसले ने इस पहल के पीछे उसके असली मकसद पर एक सवाल खड़ा कर दिया है। इज़रायल जो गाजा में हमास के साथ और बाद में ईरान के साथ एक लंबी लड़ाई में उलझा हुआ है, उसे अब मज़दूरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। 2023 में हमास के हमले से शुरू हुए इन संघर्षों की वजह से उसके ज़्यादातर मजदूर काम छोड़कर चले गए हैं। युद्ध के कारण नेपाल और थाईलैंड जैसे देशों से आने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या में आई कमी ने भी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाला है।

ईरान जंग में साथ ना देने पर क्या ट्रंप देंगे नाटो को सजा?

पोलैंड PM ने अमेरिकी 'वफादारी' पर पूछे चुभते सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

मिडिल ईस्ट महाजंग ने दुनिया की तस्वीर बदल कर रख दी है। अब वह वक्त बीत चुका है, जब अमेरिका के हर फैसले में उसके सहयोगी हां में हां मिलाते थे। ताजा उदाहरण नाटो का है, जिसने साफ तौर पर ईरान जंग में अमेरिका के साथ खुलकर उतरने से परहेज किया। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खफा हो गए और उन्होंने जमकर अपना गुस्सा निकाला। अब पोलैंड के प्रधानमंत्री ने अमेरिका के रवैये पर सवाल उठाया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने पूछा कि क्या रूस के हमले की स्थिति में अमेरिका नाटो के प्रति अपनी कमिटमेंट के तहत यूरोप की रक्षा के लिए 'वफादार' रहेगा? अब वक्त आ गया है कि यूरोपीय यूनियन को महाद्वीप की सुरक्षा के लिए वास्तविक गठबंधन बनाए। टस्क का बयान इसलिए अहम माना जा रहा है कि क्योंकि पेंटागन के आंतरिक ईमेल से पता चला है कि ट्रंप प्रशासन में नाटो सहयोगियों को सजा देने के विकल्पों पर चर्चा हुई थी।

'रूस कर सकता है हमला'

टस्क ने फाइनेंशियल टाइम्स से बातचीत में कहा कि यूरोप के सामने सबसे बड़ा अहम सवाल यह है कि क्या अमेरिका उतना ही वफादार रहने के लिए तैयार है, जितना नाटो अलायंस में जिक्र है। उन्होंने चेतावनी दी कि रूस अगले कुछ महीनों में गठबंधन के किसी सदस्य पर हमला कर सकता है। यूरोप के अहम देश के मुखिया की यह असामान्य टिप्पणी बढ़ती अनिश्चितता को दर्शाती है। राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों और यूरोप की रक्षा को लेकर उनके बदलते रवैये से ऐसे सवाल उठने लगे हैं। टस्क ने कहा, 'सवाल यह है कि क्या नाटो अभी भी एक ऐसा संगठन है जो राजनीतिक और लॉजिस्टिक रूप से तैयार है? उदाहरण के लिए, यदि रूस हमला करने की कोशिश करे तो उस स्थिति में क्या प्रतिक्रिया दी जाएगी? पोलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका-नेतृत्व वाले रक्षा गठबंधन के कुछ सदस्य ऐसा दिखावा कर रहे थे कि कुछ हुआ ही नहीं।

ट्रंप ने नाटो को कागजी शेर कहा था

दरअसल, दुनिया के सबसे बड़े सैन्य संगठन नाटो और अमेरिका के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में जब नाटो प्रमुख मार्क रुटे व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप से मिलने पहुंचे, तो माहौल काफी गरम रहा। ट्रंप ने साफ कर दिया कि वह अपने साथी देशों के रवैये से खुश नहीं हैं। दरअसल, ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच ट्रंप को उम्मीद थी कि उनके सभी दोस्त देश कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे, लेकिन कई देशों ने ऐन मौके पर हाथ खींच लिए।

सऊदी से खाते में पैसा आते ही पाकिस्तान ने चुकाया यूएई का कर्ज

1 बिलियन डॉलर की आखिरी किस्त भी दी

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

सऊदी अरब से मदद मिलने के बाद पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात का पूरा कर्ज चुका दिया है। इसकी जानकारी पाकिस्तान स्टेट बैंक ने दी है। बैंक का कहना है कि उसने तय डेडलाइन से पहले ही यूएई का सारा कर्ज चुका दिया है। यूएई ने पाकिस्तान को इस माह के आखिर तक 3.45 बिलियन डॉलर की राशि चुकाने की समय सीमा दी थी। ये पैसे पाकिस्तान ने 2019 के दौरान यूएई से कर्ज के रूप में लिए थे। पाकिस्तान स्टेट बैंक की ओर से जारी बयान के मुताबिक पहले ही 2.45 बिलियन डॉलर की राशि यूएई को दे दी गई थी। 1 बिलियन डॉलर की आखिरी किस्त भी अब दे दी गई है। यह पैसा 2 दिन पहले ही पाकिस्तान को सऊदी अरब ने दिया था।

यूएई को पाकिस्तान ने अभी पैसे क्यों चुकाए?

1. संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान जंग के कारण पाकिस्तान से अपना पैसा वापस मांगा था। शुरू में पाकिस्तान ने इसे चुकाने के लिए यूएई से मोहलत मांगी, लेकिन जब यूएई इसको लेकर तैयार नहीं हुआ, तब पाकिस्तान ने सऊदी और कतर से संपर्क साधा।
2. यूएई पाकिस्तान से इस वक्त काफी नाराज है। दरअसल, यूएई का कहना है कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर में कूदकर यूएई के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा है। इसलिए यूएई पाकिस्तान को किसी भी सूरत में बख्शने के मूड में नहीं है।
3. पाकिस्तान मिडिल ईस्ट में सऊदी और तुर्की के साथ गठजोड़ कर रहा है। यह मिडिल ईस्ट की सियासत में यूएई के खिलाफ है। तुरंत पैसा मांगने की एक वजह यह भी है। दिलचस्प बात है कि सऊदी ने ही यूएई के कर्ज को चुकाने के लिए पाकिस्तान को पैसे दिए हैं।

अब भी पाक पर 130 बिलियन डॉलर का कर्ज

पाकिस्तान ने भले ही यूएई के 3.45 बिलियन डॉलर का कर्ज चुका दिया है, लेकिन अब भी उस पर करीब 130 बिलियन डॉलर का कर्ज है। चीन ने पाकिस्तान को सबसे ज्यादा कर्ज दे रखा है।

अमेरिका के बाद चीन को लेकर खुलासा, 2 साल में बीजिंग के 8 बड़े वैज्ञानिकों की हो गई मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग

2 साल में चीन में हथियार और ड्रोन प्रोजेक्ट से जुड़े 8 वैज्ञानिकों की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या हुई है। यह खुलासा ऐसे वक्त में हुआ है, जब अमेरिका ने अपने 10 वैज्ञानिकों की संदिग्ध हत्या की जांच शुरू की है। चीन और अमेरिका दुनिया का सुपरपावर है। ऐसे में दोनों देशों को लेकर सामने आई इस तरह की रिपोर्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि क्या दोनों के बीच वैज्ञानिकों की हत्या को लेकर कोई शीत युद्ध चल रहा है? न्यूजवीक मैगजीन के मुताबिक 2023 से 2025 के बीच चीन में हथियार और ड्रोन टेक्नॉलोजी से जुड़े 8 वैज्ञानिक मारे गए। इनमें 3 वैज्ञानिकों की मौत रोड एक्सिडेंट में हो गई।

US के 10 वैज्ञानिकों के मरने की खबर आई थी

फॉक्स न्यूज ने कुछ दिनों पहले एक रिपोर्ट की थी। इसमें पिछले 3 साल में अमेरिका के संदेहास्पद स्थिति में 10 वैज्ञानिकों के मरने की खबर आई थी। व्हाइट हाउस ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए जांच कराने की बात कही। अमेरिका में जिन 10 वैज्ञानिकों की मौत पिछले 3 साल के दौरान हुई, वे सभी परमाणु प्रोजेक्ट से जुड़े थे। इन वैज्ञानिकों की मौत पर न तो चीन और न ही अमेरिका कुछ भी बयान जारी कर रहा है।

चीन के किन-किन वैज्ञानिकों की मौत हुई?

झांग जियाओक्सिन- स्पेस मॉनिटरिंग प्रोग्राम से जुड़े झांग की मौत 2024 में एक रोड एक्सिडेंट में हो गई। अब तक यह खुलासा नहीं हुआ है कि इनकी मौत कैसे हुई?

फांग डेइंग- 2024 में अफ्रीका दौरे के दौरान इनकी मौत हो गई। ताइवान के खिलाफ काफी आक्रामक थे। डेइंग हाइपरसोनिक प्रोजेक्ट से जुड़े थे।

ली मिनयोंग- मिनयोंग की साल 2025 में अचानक मृत्यु हो गई। वे बायोमेडिकल केमेस्ट्री प्रोजेक्ट से जुड़े हुए थे। मियोंग सिर्फ 49 साल के थे।

लियू डोनघाओ – ड्रोन टेक्नॉलोजी प्रोजेक्ट से जड़े लियू की मौत 2024 में एक दुर्घटना में हो गई। डोनघाओ 51 साल के थे।

झांग दाइबिंग– 2023 में झांग की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई थी। वे चीन में ड्रोन टेक्नॉलोजी प्रोजेक्ट से जुड़े थे।

हिंदमाता एंकर उनका मानना है कि नागरिकता देने का फैसला अदालतों या वकीलों के बजाय देश की जनता के वोट से होना चाहिए

भारत को नरक क्यों बता रहे ट्रंप? इस कारण खुन्नस में हैं यूएस प्रेसिडेंट

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें भारत और चीन को हेलहोल यानी नरक जैसा बताया गया है। यह पोस्ट कंजरवेटिव पॉडकास्ट होस्ट माइकल सैवेज की थी। पोस्ट में अमेरिका के बर्थराइट सिटिजनशिप यानी जन्म के आधार पर नागरिकता देने वाले कानून की आलोचना की गई है। साथ ही कहा गया है कि अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है। पोस्ट में कहा गया कि, 'प्रवासी जन्म के आधार पर अपने बच्चों को नागरिकता दिलाते हैं। इसके बाद वह अपने परिवार को भारत, चीन या किसी हेलहोल जैसे देश से अमेरिका बुला लेते हैं। अब यहां अंग्रेजी भी नहीं बोली जाती है।' ट्रंप और उनके समर्थक इस नियम का विरोध करते हैं और चाहते हैं कि इसे बदला जाए। उनका मानना है कि नागरिकता देने का फैसला अदालतों या वकीलों के बजाय देश की जनता के वोट से होना चाहिए। आइए जानते हैं भारतीयों के खिलाफ गुस्से की वजह क्या है

यूएस में बढ़ती भारतीय आबादी

इस मुद्दे के पीछे एक बड़ी वजह अमेरिका में बढ़ती भारतीय आबादी भी मानी जा रही है। यूएस सेंसस ब्यूरो के अनुमान के मुताबिक, 2023 में अमेरिका में लगभग 52 लाख लोगों ने खुद की पहचान भारतीय बताई है। प्यू रिसर्च सेंटर की मई 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय-अमेरिकी वहां दूसरी सबसे बड़ी एशियाई आबादी हैं और कुल एशियाई आबादी का करीब 21% हिस्सा इन्हीं लोगों से बनता है। भारतीय मूल के लोगों में वे लोग शामिल हैं, जो भारत से अमेरिका गए हैं। साथ ही वे भी जो अमेरिका या किसी अन्य देश में जन्मे हैं, लेकिन खुद को भारतीय मानते हैं।

23 साल में 174% बढ़ी भारतीय आबादी

अगर पिछले 20 सालों की बात करें तो भारतीय आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, साल 2000 में यह संख्या करीब 18 लाख थी, जो बढ़कर 2023 में लगभग 49 लाख हो गई। यानी इसमें करीब 174% की बढ़ोतरी हुई है। इनमें से करीब 66% लोग ऐसे हैं, जो दूसरे देशों से आकर अमेरिका में बसे हैं। हालांकि 2000 में यह आंकड़ा 73% था, यानी अब अमेरिका में जन्मे भारतीय मूल के लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। इसी दौरान भारतीय प्रवासियों की संख्या 13 लाख से बढ़कर 32 लाख हो गई है। इसके अलावा करीब 60% भारतीय प्रवासी 10 साल से ज्यादा समय से अमेरिका में रह रहे हैं और लगभग 51% लोग वहां की नागरिकता भी ले चुके हैं।

कौन सी भाषा बोलते हैं भारतीय?

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की स्थिति कई मामलों में मजबूत है। 5 साल से ऊपर के 84% भारतीय अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं। इनमें 28% घर में सिर्फ अंग्रेजी बोलते हैं, जबकि 56% दूसरी भाषा बोलते हुए भी अंग्रेजी अच्छे से जानते हैं। घर में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में हिंदी (18%), तेलुगु (11%), गुजराती (10%) और तमिल (7%) शामिल हैं।

कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा भारतीय

करीब 20% भारतीय (9.6 लाख) कैलिफोर्निया में रहते हैं। इसके अलावा टेक्सास (5.7 लाख), न्यू जर्सी (4.4 लाख), न्यूयॉर्क (3.9 लाख) और इलिनोइस (2.70 लाख) में भी बड़ी संख्या है। बड़े शहरों में न्यूयॉर्क, डलास और सैन फ्रांसिस्को प्रमुख हैं। भारतीयों की औसत उम्र 34.2 साल है। प्रवासियों की औसत उम्र 40.9 साल है, जबकि अमेरिका में जन्मे भारतीयों की औसत उम्र 13.4 साल है। शिक्षा के मामले में 25 साल से ऊपर के 77% भारतीयों के पास ग्रेजुएशन या उससे ऊपर की डिग्री है।

बिजनेस वर्ल्ड

AI युग का डिजिटल गेटवे बनेगा जियो: आकाश अंबानी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के ताज़ा नतीजों ने साफ संकेत दिया है कि कंपनी अब अपने अगले बड़े ग्रोथ फेज की ओर बढ़ रही है, जहां जियो सिर्फ टेलीकॉम नहीं बल्कि भारत का डिजिटल और AI गेटवे बनने की दिशा में काम कर रहा है। कंपनी प्रबंधन के मुताबिक, जियो अब उस चरण में पहुंच चुका है जहां उसकी मजबूत कनेक्टिविटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य में AI आधारित सेवाओं के विस्तार की नींव तैयार कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, "जियो ने भारत को इंटरनेट युग से जोड़ा और अब 52 करोड़ 40 लाख से अधिक सब्सक्राइबर्स के साथ यह 'इंटेलिजेंस एरा' का डिजिटल गेटवे बनने की स्थिति में है। जियो की एडवांस कनेक्टिविटी और कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए AI सेवाएं देश के उपभोक्ताओं, घरों और व्यवसायों तक पहुंचेंगी।" देश का सबसे बड़ा यूजर बेस और तेजी से बढ़ते 5G नेटवर्क के साथ, जियो का फोकस अब कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को और गहराई तक ले जाने पर है। जियोफाइबर और जियोएयरफाइबर को केवल ब्रॉडबैंड सेवा नहीं, बल्कि एक ऐसे कनेक्टिविटी टूल के रूप में देखा जा रहा है, जो घरों और छोटे व्यवसायों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाकर डिजिटल और AI सेवाओं के इस्तेमाल को बढ़ाएगा। मार्च 2026 तक जियो का फिक्स्ड ब्रॉडबैंड यूजर बेस 2 करोड़ 71 लाख तक पहुंच गया है और इसका मार्केट शेयर करीब 43% हो चुका है। जियोएयरफाइबर का सब्सक्राइबर बेस 1 करोड़ 30 लाख है, जो इस विस्तार का बड़ा आधार बनकर उभरा है। डेटा खपत में तेज बढ़ोतरी भी इस बदलाव की अहम कड़ी है। जियो नेटवर्क पर कुल डेटा ट्रैफिक में करीब 35% की सालाना बढ़त दर्ज की गई है, जबकि प्रति व्यक्ति डेटा खपत 42.3 GB प्रति माह तक पहुंच गई है। यह बढ़ता डेटा उपयोग आने वाले समय में AI आधारित सेवाओं के लिए मजबूत फाउंडेशन तैयार करेगा। फाइनेंशियल प्रदर्शन भी इस ट्रेंड को सपोर्ट करता है। Q4 FY26 में जियो प्लेटफॉर्म्स का रेवेन्यू 44,928 करोड़ रुपय रहा, जो 12.7% बढ़ा, जबकि EBITDA 20,060 करोड़ रुपय रहा और मार्जिन 52% से ऊपर पहुंच गया। पूरे साल में भी डिजिटल सर्विसेज कंपनी की ग्रोथ का प्रमुख इंजन बनी रहीं। इस तरह जियो का मॉडल मोबाइल कनेक्टिविटी, ब्रॉडबैंड विस्तार और बढ़ती डेटा खपत मिलकर एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जो आने वाले वर्षों में AI इकोनॉमी के लिए बुनियादी ढांचा बन सकता है।

कच्चा तेल और ईरान वॉर बना विलेन! रुपये की वैल्यूएशन में आई गिरावट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में चल रही टेंशन ने भारतीय रुपये को काफी कमजोर कर दिया है। ट्रेड-वेटेड बेसिस पर कैलकुलेट की गई दूसरी बड़ी करेंसी के मुकाबले भारतीय रुपये की वैल्यू एक दशक से ज्यादा समय में सबसे कम हो गई है। इसकी मुख्य वजह ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और विदेशी निवेशकों की ओर से पैसा निकालना है। गुरुवार देर रात जारी भारतीय रिजर्व बैंक के लेटेस्ट बुलेटिन से पता चला कि दक्षिण एशियाई करेंसी का 40-करेंसी रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट जो अलग-अलग देशों के बीच महंगाई के फर्क को दिखाता है वह गिरकर 92.72 हो गया है। रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट यानी REER अब अपने लंबे समय के औसत 98.25 से काफी नीचे है, जो पुराने स्तरों के मुकाबले रुपये की काफी कम वैल्यू को दिखाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत में महंगाई में कमी ने हाल के महीनों में REER पर दबाव डाला है, जिससे इस साल अब तक रुपये में करीब 4.5% की गिरावट और बढ़ गई है। मार्च के आखिर में रुपया 95.21 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। रुपये की इतनी कम वैल्यू के बावजूद, एक्सपर्ट्स को जल्दी सुधार की उम्मीद कम दिख रही है। BofA ग्लोबल रिसर्च के एक्सपर्ट्स ने कहा कि रुपया REER के हिसाब से काफी सस्ता है, लेकिन डॉलर की मांग बढ़ने तेल आयात बढ़ने और निवेशकों के जोखिम से बचने के चलते शेयर बाजार से पैसा निकालने की वजह से अभी दबाव में रह सकता है। मार्च की रीडिंग 2024 के अंत के हाई से करीब 15 पॉइंट की गिरावट दिखाती है, जो कई सालों में सबसे तेज गिरावट में से एक है। कमजोर रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट से भारत के एक्सपोर्ट सस्ते और ज्यादा कॉम्पिटिटिव हो जाते हैं, जबकि इंपोर्ट महंगे हो जाते हैं। इससे विदेशी निवेशकों को सस्ते में निवेश करने का मौका भी मिलता है, भले ही उनके मौजूदा निवेश की वैल्यू विदेशी करेंसी के हिसाब से कम हो जाए। एक छोटा 6-करेंसी इंडेक्स भी दिखाता है कि रुपये की कम वैल्यू और साफ नजर आती है। मार्च में 6-करेंसी REER गिरकर 89.61 हो गया, जो अप्रैल 2015 के बाद सबसे कम है और लगभग 100 के औसत से काफी नीचे है। ट्रेड मिनिस्ट्री के डेटा के मुताबिक 2024-25 में अमेरिका, चीन, यूएई, रूस, सऊदी अरब और सिंगापुर भारत के सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर रहे।

दवा बाजार में सन फार्मा की होगी डील, इस कंपनी को खरीदने की है तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी सन फार्मा एक ऐतिहासिक अधिग्रहण की ओर बढ़ रही है। कंपनी ने अमेरिकी फार्मा फर्म ऑर्गेनन एंड कंपनी को खरीदने के लिए करीब 13 बिलियन डॉलर का बाइंडिंग ऑफर दिया है। यह डील अगर पूरी होती है तो यह न सिर्फ सन फार्मा की अब तक की सबसे बड़ी खरीद होगी, बल्कि भारतीय जेनेरिक दवा कंपनी को ग्लोबल ब्रांडेड और इनोवेटिव फार्मा प्लेयर में बदलने की दिशा में बड़ा कदम भी साबित होगी। इस रेस में EQT और ग्रुएंथल जैसे बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिससे मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। दिलीप सांघवी की अगुवाई वाली सन फार्मा ने अमेरिकी कंपनी ऑर्गेनन को खरीदने के लिए 13 बिलियन डॉलर का ऑल-कैश ऑफर दिया है। यह अधिग्रहण कंपनी के लिए अब तक का सबसे बड़ा दांव माना जा रहा है। इस डील के जरिए सन फार्मा अपने बिजनेस को जेनेरिक दवाओं से आगे बढ़ाकर इनोवेटिव और स्पेशलिटी फार्मा सेगमेंट में मजबूत करना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक, इस डील के लिए जेपी मॉर्गन, MUFG और सिटी बैंक करीब 12 बिलियन डॉलर की फाइनेंसिंग कर रहे हैं। योजना के तहत, डील पूरी होने पर NYSE में लिस्टेड ऑर्गेनन को सन फार्मा के साथ मर्ज किया जाएगा, हालांकि ऑर्गेनन के शेयरहोल्डर्स को सन फार्मा के शेयर नहीं मिलेंगे। ऑर्गेनन महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित कंपनी है। इसके पोर्टफोलियो में ब्रेस्ट कैंसर, गर्भनिरोधक, ऑस्टियोपोरोसिस और मेनोपॉज से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी बायोसिमिलर दवाओं में भी तेजी से विस्तार कर रही है, जो भविष्य में बड़ा ग्रोथ ड्राइवर बन सकता है। हालांकि, इस डील में एक बड़ा जोखिम भी है। ऑर्गेनन पर 2025 के अंत तक करीब 8.64 बिलियन डॉलर का कर्ज है, जिसे अधिग्रहण करने वाली कंपनी को रीफाइनेंस करना होगा। सन फार्मा इस कर्ज को संभालने के लिए फाइनेंसिंग प्लान के साथ-साथ अपने करीब 3.2 बिलियन डॉलर के नेट कैश का इस्तेमाल करने की तैयारी में है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह डील जहां ऑर्गेनन के लिए पॉजिटिव हो सकती है। वहीं, सन फार्मा के लिए जोखिम भरी साबित हो सकती है। इससे कंपनी का फोकस घरेलू स्पेशलिटी बिजनेस से हट सकता है और कर्ज का बोझ भी बढ़ सकता है। इस बीच ऑर्गेनन के शेयरों में पिछले एक महीने में करीब 52% की तेजी देखी गई है, जो इस संभावित डील की चर्चा के चलते आई है। वहीं, EQT और ग्रुएंथल जैसे दिग्गज भी इस दौड़ में शामिल हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा और तेज हो गई है। अगर यह डील सफल होती है, तो सन फार्मा न सिर्फ आकार में बड़ी होगी, बल्कि ग्लोबल फार्मा इंडस्ट्री में अपनी पकड़ और मजबूत कर सकेगी।

Paytm पेमेंट बैंक को लगा बड़ा झटका, RBI ने कैंसिल किया लाइसेंस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पेटीएम पेमेंट बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से बड़ा झटका लगा है। RBI ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। RBI ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि अब पेटीएम पेमेंट बैंक बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के तहत किसी भी तरह का बैंकिंग काम नहीं कर सकेगा। इसका मतलब है कि बैंक अब नए या पुराने ग्राहकों के लिए सामान्य बैंकिंग सेवाएं नहीं दे पाएगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार, पेटीएम पेमेंट बैंक का कामकाज और मैनेजमेंट आम जनता के हित में नहीं था। साथ ही बैंक ने अपने पेमेंट्स बैंक लाइसेंस से जुड़ी कई शर्तों का सही तरीके से पालन नहीं किया। RBI पहले भी इस बैंक पर सख्त कार्रवाई कर चुका था। 11 मार्च 2022 से बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया गया था। इसके बाद बैंक पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गईं, जैसे खातों में पैसे जमा करना, क्रेडिट करना और वॉलेट में टॉप-अप करने पर भी रोक लगाई गई थी। अब लाइसेंस रद्द होने के बाद पेटीएम पेमेंट बैंक का भविष्य पूरी तरह से अनिश्चित हो गया है और ग्राहकों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

दैनिक ठाणे, शनिवार 25 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

ये बॉलीवुड अभिनेत्रियां बनीं लेखिका

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने एक लेखिका के रूप में अपनी एक नई पहचान बनाई है। अभिनेत्रियों ने अपनी किताबों के जरिए अपने अनुभव, भावनाएं और जीवन के उतार-चढ़ाव खुलकर साझा की है, जिसके जरिए पाठकों को उनकी असल ज़िंदगी की सच्ची झलक देखने को मिलती है। उनके शब्दों में हमें उनकी ज़िंदगी की एक और सच्ची, व्यक्तिगत और बेबाक झलक मिलती है, जो इस 'वर्ल्ड बुक डे' पर पढ़ने के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस की किताब अनफिनिश्ड उनकी एक प्रेरणादायक आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन और करियर की यात्रा साझा की है। इसमें उनके बचपन, संघर्षों और हॉलीवुड तक के सफर की दिलचस्प झलक मिलती है। प्रियंका ने अपने अनुभवों, असफलताओं और सफलताओं को बेहद ईमानदारी से पेश किया है। यह किताब सिखाती है कि अधूरी कहानियां ही हमें आगे बढ़ने की ताकत देती हैं।

ट्विंकल खन्ना की मिसेस फनीबोन्स, एक हल्की-फुल्की और मजेदार किताब है, जिसमें उनकी हाजिरजवाबी के साथ उनके मजेदार विचार झलकते हैं। इसमें उन्होंने अपने रोजमर्रा के अनुभवों को व्यंग्य और ह्यूमर के साथ पेश किया है। ट्विंकल की लिखावट में एक अलग ही चार्म और ईमानदारी नजर आती है। यह किताब पाठकों को हंसाते हुए जिंदगी को नए नजरिए से देखने की प्रेरणा देती है।

शिल्पा शेट्टी की द ग्रेट इंडियन डाइट, स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार पर आधारित है। इसमें भारतीय खाने के जरिए फिट और एनर्जेटिक रहने के आसान तरीके बताए गए हैं। किताब में डाइट प्लान, न्यूट्रिशन टिप्स और हेल्दी आदतों पर खास जोर दिया गया है। यह पाठकों को सही खान-पान अपनाकर बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है।

कल्कि कोचलिन की किताब ए प्ले इन मैडनेस एक अनोखा नाटक संग्रह है, जिसमें उनकी रचनात्मकता और गहराई झलकती है। इसमें मानसिकता, रिश्तों और समाज से जुड़े जटिल पहलुओं को संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कल्कि की लेखन शैली साहसी और अलग सोच को दर्शाती है। यह किताब पाठकों को नई दृष्टि से सोचने और समझने के लिए प्रेरित करती है।

कुब्रा सैत की किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट ए मेमॉयर, एक बेबाक और भावनात्मक सफर को बयान करती है। इसमें उन्होंने अपनी ज़िंदगी के कठिन अनुभवों, संघर्षों और आत्म-खोज को खुलकर साझा किया है। कुब्रा ने बिना झिझक अपनी सच्चाई और कमजोरियों को स्वीकार किया है। यह किताब खुद को समझने और अपनी कहानी को अपनाने की ताकत देती है।

सोहा अली खान की किताब द पेरिल्स ऑफ बिंग मॉडरेटली फेमस, एक मजेदार और आत्म-चिंतन से भरी आत्मकथा है। इसमें उन्होंने अपने परिवार, करियर और निजी जिंदगी के अनुभवों को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा किया है। सोहा की लिखावट में ह्यूमर और ईमानदारी का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है।यह किताब पहचान, प्रसिद्धि और खुद की जगह तलाशने की कहानी को दिलचस्प तरीके से पेश करती है।

नीना गुप्ता की किताब सच कहूं तो, बेबाक और सच्ची आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन के उतार-चढ़ाव खुलकर साझा किए हैं। इसमें उनके करियर, रिश्तों और संघर्षों की अनकही कहानियां सामने आती हैं। साथ ही इसमें नीना गुप्ता ने बिना लाग-लपेट अपने फैसलों और अनुभवों पर ईमानदारी से बात की है। यह किताब पाठकों को प्रेरित करती है कि अपनी सच्चाई को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी ताकत है।

प्रियंका को ग्लोबल वैनगार्ड ऑनर

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी धाक जमाने वाली प्रियंका चोपड़ा जोनास के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। 9 मई 2026 को आयोजित होने वाले पांचवें 'गोल्ड गाला' में प्रियंका को 'ग्लोबल वेनगार्ड ऑनर' से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार प्रियंका चोपड़ा को मनोरंजन जगत में एशियाई प्रतिनिधित्व को वैश्विक स्तर पर मजबूती देने और उनके 25 साल के बेमिसाल करियर के लिए दिया जा रहा है।

■ 'गोल्ड हाउस' द्वारा आयोजित इस वार्षिक समारोह की थीम इस साल 'A New Gold World' रखी गई है। इंस्टाग्राम पर इस सम्मान की घोषणा करते हुए संस्थान ने बताया कि प्रियंका के साथ-साथ मार्शल आर्ट्स लेजेंड जेट ली को 'गोल्ड लेजेंड ऑनर' और सिमू लियू को 'गोल्ड मोगुल ऑनर' दिया जाएगा।

■ समारोह में 650 से अधिक वैश्विक नेता शामिल होंगे। शो की शुरुआत मशहूर कॉमेडियन बोवेन यांग के मोनोलॉग से होगी, जबकि हेली कियोको अपनी परफॉर्मेंस से समां बांधेंगी। यह कार्यक्रम न केवल पुरस्कारों का मंच है, बल्कि सांस्कृतिक विभाजन को पाटकर एकजुटता का संदेश देने का एक वैश्विक प्रयास भी है।

■ पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' और 'द ब्लफ' (2025) जैसी फिल्मों के जरिए हॉलीवुड में अपनी स्थिति और मजबूत की है। 'द ब्लफ' में उन्होंने न केवल अभिनय किया बल्कि इसे प्रोड्यूस भी किया। इससे पहले वे 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', 'बेवॉच' और 'सिटाडेल' जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान पुख्ता कर चुकी हैं।

'वाराणसी' के साथ बॉलीवुड में ग्रैंड वापसी: प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। 'RRR' की ऐतिहासिक सफलता के बाद, दिग्गज निर्देशक एसएस राजामौली अपनी अगली फिल्म 'वाराणसी' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के साथ साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

कुछ भी हो, लेकिन काम करो: अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी अपने काम को लेकर काफी एक्टिव हैं। वो इस उम्र में भी अभिनय कर रहे हैं। इसके अलावा वो सोशल मीडिया और ब्लॉग में भी काफी सक्रिय रहते हैं। अब महानायक ने जीवन और काम को लेकर अपने विचार रखे हैं। अभिनेता ने कहा कि वो काम को जीवन का सार मानते हैं।

'कल्कि 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं बिग बी

वर्कफ्रंट की बात करें बिग बी ने आखिरी बार 2025 में लोकप्रिय गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन को होस्ट किया था। वहीं वो आखिरी बार 2024 में आई फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने अश्वत्थामा की भूमिका निभाई थी। अब बिग बी फिल्म के सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। इसमें उनके साथ प्रभास और कमल हासन भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है।

काम ही जीवन का सार है

महानायक ने अपने नए ब्लॉग में लिखा कि मैंने अपने एक प्रिय सहकर्मी से जाना कि सुबह के शुरुआती घंटे क्रिएटिव थिंकिंग के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बहुत खूब! क्रिएटिव लोगों के लिए तो यह कारगर है! लेकिन मेरे जैसे (थोड़ा फ्रेंच, मराठी, जर्मन) गैर-रचनात्मक लोगों का क्या? उन्होंने आगे लिखा कि काम ही जीवन का सार है। काम होगा तो सफर होगा। किसी रोमांचक मंजिल तक नहीं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए काम करो। जीविका कमाने के लिए काम करो। अपने शरीर पर काम करो, कुछ भी हो, लेकिन काम करो। इस उम्र में शरीर पर काम करना सबसे जरूरी है। इसलिए मैं सोच रहा था कि मानव शरीर का निर्माण कितना अद्भुत है। इसकी कल्पना करना भी असंभव है। मैंने इस विषय पर कुछ विचार किए, लेकिन उन्हें किसी और दिन साझा करूंगा।

ईद 2027 पर सलमान का 'SVC63' के ऐलान

ईद बॉक्स ऑफिस को एक बार फिर अपनी सबसे बड़ी हेडलाइन मिल गई है, और यह खबर सलमान खान से जुड़ी है। हाल ही में सुपरस्टार सलमान खान ने आधिकारिक तौर पर ईद 2027 के लिए अपनी अगली फिल्म का ऐलान कर दिया है। इस खबर ने फैंस के बीच खलबली मचा दी है और उस परंपरा को फिर से ताजा कर दिया है जिसने एक दशक से ज्यादा समय से हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया है। इस नई फिल्म का नाम फिलहाल 'SVC63' रखा गया है, जिसे डायरेक्टर वंशी पैदीपल्ली निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी और इसे दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए सलमान ने लिखा कि थोड़ा दूर की सोचना चाहिए, इसीलिए ईद का ऐलान कर दिया... फिक्र मत करो, इस वाली का भी बताएंगे, जब सही वक्त आएगा... पेशेंस, थोड़ा सा सब्र... मेरे जितना ही इंतजार करना पड़ेगा, बहरहाल जो आपका हाल है वही मेरा भी हाल है... हाहा

'द ट्रायल' के लिए काजोल ने तोड़ी नो-किसिंग पॉलिसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल पिछले तीन दशकों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। काजोल ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई ऐसी लकीरें खींची थीं, जिन्हें पार करना उनके लिए नामुमकिन माना जाता था। इनमें से सबसे प्रमुख थी उनकी 'नो-किसिंग पॉलिसी'। लेकिन साल 2023 में जब काजोल ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा, तो फैंस को एक बड़ा सरप्राइज मिला। वेब सीरीज 'द ट्रायलः प्यार, कानून, धोखा' में काजोल ने अपने को-स्टार जिशु सेनगुप्ता के साथ एक लिपलॉक सीन देकर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। अब आखिरकार काजोल ने बताया है कि 'नो किसिंग पॉलिसी' तोड़ने के पीछे क्या वजह थी। मशहूर इन्फ्लुएंसर लिली सिंह के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान काजोल ने इस बोल्ड फैसले पर खुलकर बात की। काजोल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, यह उस किरदार (नयोनिका सेनगुप्ता) की जरूरत थी जिसे मैं निभा रही थी। वह सिर्फ एक किस नहीं था, बल्कि उस महिला की भावनाओं, उसकी इच्छाओं और उसके विश्वास का एक हिस्सा था।

पंजाब किंग्स का विजयरथ रोक पाएगी दिल्ली कैपिटल्स?

दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की तलाश है। इसके लिए आज उसे दिल्ली में होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

यूएसए ने बल्लेबाजी का फैसला किया

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

■ दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं। पिछले मैच में उनके कुछ निर्णयों पर भी सवाल उठे हैं, खासकर गेंदबाजी बदलावों को लेकर।

■ विस्फोटक अभिषेक शर्मा के खिलाफ उन्होंने कामचलाऊ गेंदबाज नितीश राणा को लगातार इस्तेमाल किया, जो असरदार साबित नहीं हुआ। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी चिंता का विषय रहा है। टीम ने कुछ मैचों में स्टंपिंग के मौके गंवाए, रन-आउट में गलतियां कीं और आसान कैच छोड़े, जिसका उसे काफी नुकसान हुआ है। बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजी इकाई अपेक्षाकृत बेहतर रही है, लेकिन शानदार लय में चल रहे पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने के लिए उसमें अधिक आक्रामकता की जरूरत है।

■ उन्होंने हाल ही में लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ इस सत्र का सबसे बड़ा स्कोर, सात विकेट पर 254 रन, बनाया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 211 रन बनाकर शानदार फॉर्म दिखाया है और तेज शुरुआत दी है। कप्तान श्रेयस अय्यर भी 208 रन के साथ बेहतरीन लय में हैं। प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली ने भी क्रमशः 211 और 223 रन बनाकर टीम की बल्लेबाजी को गहराई और आक्रामकता दी है।

■ गेंदबाजी में भी पंजाब संतुलित नजर आई है, जहां अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार वैशाक और जेवियर बार्टलेट ने लगातार योगदान दिया है। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए पंजाब किंग्स इस मुकाबले में स्पष्ट रूप से प्रबल दावेदार हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स को अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिए कोई भी गलती करने से बचना होगा।

टीमें

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, कूपर कोनोली, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

क्या हार का बदला ले पाएगी राजस्थान रॉयल्स?

राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में शनिवार को जयपुर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। उसकी कोशिश अपने घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने के साथ-साथ दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले का हिसाब बराबर करने की भी होगी। यह मुकाबला आईपीएल के इस चरण में बेहद अहम माना जा रहा है, जहां दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की कोशिश में होंगी। सनराइजर्स ने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की शानदार गेंदबाजी के बूते दोनों टीमों के बीच 13 अप्रैल को खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 57 रन से जीता था।

क्या बदला ले पाएगी RR?

रॉयल्स ने हालांकि उस हार से उबरते हुए लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ 40 रन की जीत से अच्छी वापसी की है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए चौथे स्थान पर है, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। रॉयल्स को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में हर विभाग (पावरप्ले, मध्य ओवर और आखिरी ओवर) में संघर्ष करना पड़ा था, और टीम इस बार माकूल जवाब देने के इरादे से उतरेगी।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी सबसे बड़ी मजबूती

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। हिंगे और साकिब दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है।

राजस्थान को वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी से उम्मीदें

रॉयल्स की टीम मध्यक्रम की बल्लेबाजी को छोड़कर लगभग हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के नाम सात मैचों में पांच जीत हैं। उनकी बल्लेबाजी की रीढ़ युवा खिलाड़ियों पर टिकी है। यशस्वी जायसवाल ने 245 रन बनाकर स्थिरता और आक्रामकता दोनों दिखाई है। पंद्रह वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी 254 रनों के साथ टीम के शीर्ष स्कोरर हैं और उनका स्ट्राइक रेट 220 से ऊपर है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने भी उपयोगी योगदान दिया है, हालांकि कप्तान रियान पराग और अनुभवी शिमरोन हेटमायर का बल्ले से प्रदर्शन अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर ने 11 विकेट लेकर टीम की अगुवाई की है और वे इस मैच में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने पिछले मैच में नाबाद 43 रन और एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई थी और वे इस मुकाबले में भी आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे।

अब भी सीख रहा हूं : नवाजुद्दीन

एक ऐसी फिल्म इंडस्ट्री में, जहां अक्सर बड़े-बड़े तमगों और छवि के आधार पर पहचान बनाई जाती है, नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी सादगी और जमीन से जुड़े नजरिए के कारण अलग ही दिखाई देते हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर, मांझी - द माउंटेन मैन, बजरंगी भाईजान और ठाकरे जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय देने के बाद भी उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे दमदार कलाकारों में गिना जाता है। इतनी शानदार फिल्म सूची के बावजूद, नवाजुद्दीन का मानना है कि वह अभी तक 'अच्छे अभिनेता' नहीं बने हैं और खुद को 'आइकॉन' मानने से भी इनकार करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुद को कोई आइकॉन नहीं मानता। मैं अभी तक अभिनेता बना ही नहीं हूं, मैं अब भी सीख रहा हूं, लगातार आगे बढ़ रहा हूं। नवाजुद्दीन के लिए अभिनय कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य, अनुशासन और हमेशा बेहतर बनने की चाह जरूरी होती है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप